

दिलर माँ

बर्तोल्लत ब्रेयल

8913



अनु. जितेन्द्र कौशल

पूज्य पिता को

जिहाने जीवन की जलती सच्चाई को
भेला, जीर मुझे झेलना सिखाया।
इससे पहले कि कभी मेरे पाव लडग्वडाए।
उनके सशक्त वाजुओ न मुझे सभाल लिया,
और अब मैं सम्हलना सीख चुका हू।

' दिलेर मा

हिटलर जग चाहता है, ब्रेस्त को इसका आभास १९३७ के शुरू में ही हो गया था। उसने अपनी एक कविता जर्मन वार प्रीमियर में लिखा है।

आने वाला कोई एक महीना

या एक दिन

काले प्रस से चिंहित होगा।

और वो दिन था सितम्बर १९३९ जिस दिन दूसरी जग शुरू हुई।

यह घटना प्रधान नाटक तीस साला की जग का नाटक है।

दिलेर मा फौज के साथ फौजिया को शराब और अय चीजें बचते-बेचते यूरोप को पार कर जाती है। उसके पास एक गाड़ी है जो केर्टीन का काम करती है।

दिलेर मा एक एक कर अपने बच्चा को जग में खोती जाती है लेकिन एक चीज नहीं छोड़ती। अपनी आजीविका—गाड़ी।

दिलेर मा, ब्रेस्त का संभवतः सर्वाधिक प्रसिद्ध नाटक है जो १९३८-३९ में लिखा गया और १९४१ में सबसे पहले ज्यूरिख में मंचित हुआ। १९४९ में बर्लिन प्रस्तुति, जिसमें हेलेने वंगल दिलेर मा का अभिनय कर रही थीं, दिलेर मा का प्रदर्शन बर्लिन दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव हो के रह गया। १९५५ में पहली बार जान लिटिलवुड के थियेटर बकशाप ने इसे अग्रेजी में प्रस्तुत किया और तभी से यह नाटक अग्रेजी मंच के मानक नाटकों में शामिल हो गया। घटनाओं से स्पष्ट साक्षात्

करते हुए ब्रेहन ने यह महान नाटक एक युद्ध को लेकर लिखा है जिसका विनाश महान यूरोप की सीमाओं को लाघ गया, जिसने दिए युद्धनता और मुनाफाखोर, जिसने मूल्यों और विचारधारा को बदल दिया और छोड़ दिए खासकर जर्मनी के वे भावुक लोग अधा की तरह अनजान, जस वे युद्ध के जारभ में थे।

दिलेर मा, दवाव में लिखा गया, जिसका स्वेनडिवेयन दशकों को बताया गया।

‘जब मैंने यह नाटक लिखा तो मोचा था कि नाटककार की चेतावना भरी आवाज को महान शहरो के मंचों से सुना जाएगा। ये घोषणा करते हुए वो जो शतान के साथ खीर खाएगा उसके पास यकीन ही एक बड़ी सम्पत्ति होगी। ये मेरी सरलता थी और सरलता को मैं कभी भी गज्जाजनक नहीं मानता। ऐसी नाट्य प्रस्तुतिया कभी भौतिक नहीं होनी। लम्बक उतनी जल्दी लिख नहीं सकते सरकारें जितनी जल्दी जग कर सकती हैं क्योंकि लेखन ठोस और कठिन वचारिक प्रक्रिया है।’

ब्रेहन के विचार से नाटक का प्रस्तुतीकरण में देर हो गई, इससे पहले कि नाटककार का चेतावनी पूर्ण आवाज गूज सके, खखार सुटेरे हिलर न थियेटरा को अपन गिकजे में कस लिया।

१६ अप्रैल, १९८१ ब्रेहन के हेलसिंका छाड़ने के एक महीने पहले जब वे बेल्जियम का लम्बे सफर पर जा रहे थे दिलेर मा का प्रथम प्रदर्शन हुआ। जिन लोगों ने इस नाटक को देखा उह यह नाटक जगली नुकीले काट सा लगा। नाटक ठीक युद्ध के दिनों में हुआ। दिलेर मा की भूमिका में बेरेस ग्योश। टिपा जापो की भव सज्जा। पाल बुक हाड का संगीत और लिड्थबग का निर्देशन था। दिलेरमा के प्रथम प्रदर्शन ने ही ब्रेहन को एक महान निर्देशक के साथ साथ एक महान नाटककार भी बना दिया। एक अनजान महान कृति का प्रदर्शन जिस जानदार भाषा

में लिखा गया और तीखा स्पष्ट बातें जग के वार में कही गईं, जिसे दशकों ने आत्मसात किया। ये ब्रेहन की अभूतपूर्व सफलता थी। दूसरी बात यह कि एक महान अभिनेत्री जिने भुला लिया गया था जिसकी आवाज शानदार थी और दिलेर मा की अनुरूप ही थी उसकी

शरीर रचना । उस रात के प्रदर्शन ने एक महान कलकार को पृथक् प्रतिष्ठित किया ।

बर्तोल ब्रेस्त १० फरवरी, १८६८ में, अगस्वग में जन्मे और अगस्त १९५६ में बर्लिन में उनकी मृत्यु हुई । उनमें नाटककार की परिपक्वता दूसरे दशक के अंत और तीसरे दशक के प्रारंभ में आई जब उन्हें मन इक्वल्स में, श्री पैनी-आपेरा, महोगनी और दिलेर भा जैसे नाटक लिखे । १९३३ में जब हिटलर सत्ता में आया तब उन्होंने जर्मनी का छोड़ दिया । १९४१ में वे अमेरिका पहुंचे और १९४७ तक वहीं रहे ।

इसी अज्ञातवास की अवधि में उन्होंने जर्मन कृतियों का निमाण किया जिनमें लाइफ आफ गलीलिया मदर करेज, कार्केशियन चाक सर्किल और पुर्तला शामिल हैं ।

यूरोप लौटने के तुरंत बाद ही उन्होंने १९४७ में बर्लिनियर जनसावल की बुनियाद रखी और तब से मृत्युपर्यन्त वे वहीं स्वयं अपने नाटकों को प्रस्तुत करते रहे ।

—प्रकाश जन

पात्र-परिचय

एनाफॉलिग

कैथरीन

स्विस चीज

ऐलिफ

ईवेटी

कॉर्नल

वावर्ची

पादरी

कमाडर

भर्ती अफसर

हवलदार

पट्टीवाला, मुशी, बूढा फौजी,

किसान, किसान का लडका

बुढिया लैपटीनेंट, एक और

किसान परिवार और कुछ सिपाही

दिलेर मा

दिलेर माँ का भूगी लडकी

दिलेर मा के बेटे

फाहिश्म औरत

ईवटा का चाहन वाला

कमाडर का वावर्ची

रजोमट का पादरी

ऐलिफ के रेजामट का कमाडर

पहला सीन

(शहर के बाहर—एक रास्ता)

भर्ती अ०

अब भला ऐसी जगह पर एक पनटन व से भर्ती की जा सकती है। हवलदार जानते ही आजकल मैं क्या सोचता रहता हूँ—आत्म टूट्या बारह तारीख तक मुझे चार पलटनें भर्ती करनी हैं—चार पलटनें—साहब का हुक्म है। और यहा के लाग उतन महखान किस्म के ह कि डर के मारे मुझे रात भर नींद नहीं जाती। मान लो, कोई बाबू आ ही जाता है। मैं यह भी भूल जाता हूँ उसकी कबूतर जसो तो द्यातो ह और नमा का फूलन की बीमारी है। मैं उसे पिलाता हूँ। वहलाता हूँ। वह दस्तखत कर देता है। मैं शराब की कीमत चुकाता हूँ। और वह बाहर निकल जाना हूँ। मैं ठोक ही सोचता हूँ कि उसका पीछा करूँ क्याकि वह ऐस गायब हाता है जस गधे के सिर से सींग। मद की जुवान ता, अब रहीं ही नहीं साजेंट—दुनिया म यकीन, वफादारी भरोसा आदर-मान कुछ भी नहीं रहा। मरा तो इसानियन स एतबार उठता जा रहा है।

हवलदार

ब्रात यह है कि एक घमाका किस्म की जगहानी चाहिए। चारो तरफ अमन और शांति का बोलावाला हो तो और

क्या उम्मीद कर सकते हो। जानते हो अमन के पाय मुमी-
बल क्या है ? कोई व्यवस्था नहीं कोई तरतीब नहीं। और
व्यवस्था क्या होती है ? जय जग हा। अमन और गति
की हालत में तो साजोनामान की बरवादी है। किमी की
बला से कुछ भी होता रह। माना दसा है उनका। पनोर
के पकोडे बन रह है। कापा बनाय जा रह है। ह तो यह
है शहर में घाडे कितने हैं। जवान गवर्न कितने हैं किमी
का खबर नहीं। किमी न गिनन की काशिश ही नहीं की।
इसे अमन कहते हैं। मैं ऐसे इलाका में गया ह जहा पिछले
७० वर्षों से कोई लडार्ड नहीं हुई। वहा की हालत जानते
हो क्या है ? लागा का नाम भी नहीं दिये गय। कौन क्या
है, किसा को खबर नहीं। जग हो तो नाम रख जाए। जग
में सबके नाम दरज किय जाते ह। जूता का हिमाव रखा
जाता है। अनाज के बोरे, जानवर मवेशी, इंसान वगैरा
सभी का गिनती की जाती ह। काम हाता है। जग नहीं
तो कोई व्यवस्था नहीं—तरतीब नहीं।

अफसर
हवलदार

सौ फीसदी सच है।

विल्कुल सौ फीसदी जग भी एक अच्छे व्यापार की तरह
है चलते चलते ही चलती है। एक बार शुरू हुई तो धूम
मच जाती है। फिर तो लोग अमन और गति के नाम से
ऐसे भागते हैं जैसे प्लेग के चूहे से क्याकि अमन होते ही
सब हिसाब किताय करना पडेगा। वैसे जब तक शुरू नहीं
होती, जग के नाम से भी घबराहट होती है। कितनी
अनोखी बात है।

अफसर

अरे देखो, कटौन की गाडी आ रही है। दो औरतें और
दो छोकरे। इस बुढिया का रोको हवलदार। अब भी कुछ
नहीं हुआ तो इस बर्फीलो हवा में मैं एक पल नहीं
रूकूंगा।

(हारमोनिका पर धुन। कटौन की गाडी को दो लडके

खींचकर लाते हैं। दिलेर मा बेटी कथरीन के साथ ऊपर बठी है।)

मा सुबह मुबारक हवलदार साहिब ।
 हवलदार सुबह मुबारक । कौन हो तुम लोग ?
 मा हम ब्यापारी है । [गाती है]

सुनो हाकिमो ! सुनो सुनो,
 दिलेर मा ये गाती है ।
 सुनो अफसरो ! सुनो सुनो,
 सब का दिल बहलाती है ।
 बद करा जगी नक्कार पल दो पल के वास्ते
 फौज को सुस्ता लेन दो, पल दो पल के वास्ते ।
 दिलेर मा ये आई है,
 बढ़िया जूते लाई है ।
 इनका जो आजमाएगा
 चाल में तेज़ी पाएगा ।
 ले आना है अगर जग में ये सारा सामान
 नोपे घाड़े और मवेशी लिए हाथ पे जान
 किमके बूते ? किसके बूते ?
 गर ना होगा बढ़िया जूते
 बप है पिघल रही इनाइया ! उठा
 भूमती बहार ह ए भाइया उठा
 सो रह ह मुर्दे मगर मौत क्यों निहारती
 जगा उठो बड़े चला जिन्दगी पुकारती
 सुनो हाकिमो सुनो सुनो सबका दिलेर मा ये गाती है
 सुनो अफमरा सुनो सुनो दिल बहलाती है ।
 चले जायेंगे आपके फौजी जो नहत्तो पर हैं दहले
 दिलेर मा ये आई है

हुआ, मैंने कीमत चुकाई नहीं काफी है यह बागजात ? मेरी खिल्ली उड़ा रही हो ? अभी सबर लेना हू । जानती हो तुम्हारे पास लाइसेंस भी हाना चाहिए ?

मा कुछ ता अकल से काम लो । तुम्हारी खिल्ली भी कोई चिडिया विडिया है जो मैं उड़ाऊंगी ? इतने बड़े बड़े बच्चे हैं मेरे । मेरा तुम्हारा क्या वास्ता ! सक्विण्ड रेजीमेट मे मेरा यह भोला चेहरा ही मेरा लाईसेंस है । तुम्हे पढ़ना न आय तो मेरा क्या कुसूर ? और फिर मुझे किसी मोहर बाहर की जरूरत नहीं ।

अफसर हवलदार ! यह नाफरमानी —वगावत का मामला है । जानती हो, फौज मे किस चीज की जरूरत है ? डिसिप्लिन की । फौजी ट्रेनिंग की ।

मा मैं समझती थी, गोश्त की, पनीर की ।

हवलदार नाम ?

मा एना फरलिंग !

हवलदार ता तुम सब फरलिंग हो ?

मा मैंने अपने वारे मे बताया ह ।

हवलदार और मैं तुम्हारे बच्चो के वारे मे कह रहा था !

मा क्या यह जरूरी है उन सबका एक ही नाम हो ?

(एलिफ की ओर इशारा) अब इसको ही ले लो । मैं इसको एलिफ नोयाकी कहती हू । यह नाम इसको अपने बाप से मिला है । वह अपने आपको कोयोकी कहता था । शायद कोयोकी भाई पे जाये यह लडका अब भी उसको याद करता है ! लेकिन जिस आदमी का यह याद करता है वह कोई और ही था—नोकीली दाढी वाला फामीसी । दिमाग इसने अपने बाप जसा ही पाया है । वह एसी सफाई से लोगो के कपडे उतारता था कि उनको महसूस भी नहीं होता था ऐसे ही हम सबके अपने-अपने नाम है ।

- मा जग न जाने कब बामबग पहुँचे । इतज़ार न कर सकी तो यहा चली जाई ।
- अफसर यह दोनो बँल इस गाडी को खींचते ह । बँल ओ बल । कभी काठी से बाहर भी निबलते हो ?
- ऐलिफ मा—एक भापड दू इमके बुधडे पर ?
- मा जहा हो वही रहो । हा तो साहियो पिस्तौल के खोल के बारे मे क्या ख्याल है । या पटी बेटी ही देख ला । तुम्हारी तो बिल्कुल बेकार हो गई है हवलदार ।
- हवलदार मैं तो किसी और ड्री चीज की तलाश म हू—तुम्हारे बेट देवदार के पेड की तरह लम्बे तडग ह । मजबूत शरीर, चौड़ी छाती । यह इतने तगडे जवान फौज के बाहर क्या रह रहे है ?
- मा (जल्दी से) मेरे बच्चे—और फौज मे ?
- अफसर क्यों ? पसा मिलेगा, सम्मान मिलेगा । जूते चटखाते फिरना तो औरतो का काम है । (ऐलिफ से) इधर आओ । देखो सही यह पटठे मजबूत भी है या ऐसे ही चर्बी चढी है ।
- मा ऐसे ही चर्बी चढी है—धूर कर देखा तो बहोश हा जाए !
- अफसर और एक आध भेड बकरी दबा कर मार डालें क्या ? (ऐलिफ को धकेलने की कोशिश करता है ।)
- मा हाथ मत लगाओ यह फौज के लिए नहीं है ।
- अफसर मेरे चेहरे को बुधेडा कहता है—जरा दख तो सही उमके दम-बवम ।
- ऐलिफ परवाह मत करो मा ! इससे निपट सकता हू ।
- मा रुक जाओ तुम्ह भी दगा किये बाहर चन नहीं पडता । इसने बूट मे चाकू छुपा रखा है और मारना भी जाता है ।
- अफसर वह तो मैं ऐसे निबाल लूंगा जैसे मक्खन मे से बाल आओ मेरे सोहल बबूतर
- मा खबरदार ! मैं करमल से कह कर तुम्हें बवाटर गाद म

बद करवा दूगी। उसका लेपटन मेरी बेटो पर मर मिटा है। दाना म खूब पट रही है।

हवलदार

घाति ! घाति ! (मां से)

तुम फौजी जिन्दगी व खिलाफ क्या हो। इसका बाप भी तो फौजी था ! तुमने कहा नहीं कि वह एफ फौजी की मौत मरा ?

मा

यह अभी बच्चा है। और मैं जानती हू, तुम पाच गिन्डर के लिए उसे बकरी की तरह जबह कर दोग।

अफसर

मुनो एक खूबमूरत टोपी मिलेगी और उची ऐडो वाल बू- भर्ती हो जाओ रगस्ट

एलिफ

तुम तो नहीं दोगे ?

मा

शेर न कहा बकरी से चला गिफार का चलें (स्विस से) अरे खडा क्या है—भाग कर जा—मक्का बता *। या तुम्हारे भाई को दिन दहाटे उठा ले जान की काशिश कर रह हैं। (चाकू निकाल कर) हाथ ता लगाओ कुन्ना की तरह काट कर फेंक दूगी। हम कपडा बचन हैं। गोशत बेचन हैं—भगडालू नहीं हैं।

हवलदार

वह तो यह चाकू भी बता रहा है तुम भगडालू नहीं हो। शम नहीं आती। लाओ इधर वह चाकू खूमट कही की तुमन खद माना है तुम जग से रोजो बमाती हो। इसके सिवाय तुम कर भी क्या सकती हो, अच्छा बताओ, फौजी नहीं हागे ता जग कसे होत ?

मा

फौज के लिए मर बट ही रह गये हैं क्या ?

हवलदार

यही ता मुनीबत है। मीठा मीठा हडप कडवा कटवा * तुम्हारे यत्र साड जग की कमाई पर पलते रह और जग बचारी बदले म बुद्धन माग अपने आप चलती रहे है ना अपने आपको दिलेर मा कहती हो और मरती हो जग से मैं इतना बता सकता हू तुम्हारे बट नहीं डरने !

- एलिफ हवलदार अरे जग तो क्या, जग का वाप भी मुझे नहीं डरा सकता ! यह हुई न बात ! मैंने क्या कहा था भला बताओ फौजी जिन्दगी ने मेरा क्या दिगाड लिया । दिगाडा है कुछ ? मैं सत्रह बरम का था जब भर्ती हुआ था !
- मा सत्तर के तो नहीं हुए ?
- हवलदार सत्तर का भी हो जाऊगा !
- मा जमीन के ऊपर ?
- हवलदार तुम यह कहना चाहती हो मैं मर जाऊगा । मुझे चिढाना चाहती हो ?
- मा मान लो ऐसा हा । मान लो मैं तुम्हारे सिर पर मडराती हुई मौत देख रही हू । हो सकता है मैं जानती हू तुम सिर्फ एक चलती फिरती लाश हो और छूट्टी पर आए हुए हो ।
- स्विस सब जानते है, यह किस्मत का हाल बना सकती है ।
- अफसर फिर तो हवलदार की किस्मत का हाल जरूर बताओ । जायद इसका दिल बहल जाए ।
- हवलदार मैं ऐसी खुराफात में यकीन नहीं रखता ।
- मा टोप दो इधर ! (दिता है ।)
- हवलदार थोड़ी देर की दिल्लगी ही सही ।
- मा (चमड़े का बागज लेकर दो टुकड़े करती है) ऐलिफ स्विस चीज कथरीन अगर हमने जग का रग-डग जपना लिया तो हमारे भी इसी तरह दो टुकड़े हो जायेंगे । (हवलदार से) तुम्हारे लिए खास रिआयत — बिल्कुल मुफ्त ! मौत वाली स्याह है । एक काला त्रास बनाऊगी ।
- स्विस और दूसरा खाली छोड़ देंगी देखा !
- मा मैं इनको दोहरा करती हू । टोप में डालती हू । गडमड करती हू जैसे हम सब मा की कोख से गडमड आते हैं — ला जब उठाओ !
- (हवलदार भिन्नकता है ।)

- अफसर (ऐलिक से) मैं हर किसी को भरती नहीं करता। इस मामले में बहुत चूड़ी हू। तुम्हारी हिम्मत मुझे बहुत पसंद आई।
- हवलदार (टोप में टटोलते हुए) क्या वक़्काम है। चलो सुजली नहीं तो यूँ दिल बहला लिया।
- मा काला त्रास—इसका पत्ता बट—
- अफसर परवाह मत करो उस्ताद ! तुम जैसे बेकारों के लिए गोलिया फालतू नहीं हैं।
- हवलदार तुमने घाखा किया है।
- मा घोखा तो तुमने किया था जिस दिन भरती हुए थे। अब हम चलना चाहिए। हफ्ते में सातों रोज़ तो जग होती नहीं। हमें वाम में जुट जाना चाहिए !
- हवलदार बाहियात ! तुम ऐसे कैसे जा सकते हो। तुम्हारे इस चुगद को हम साथ लेकर जा रहे हैं।
- ऐलिक जाने दो न मा ?
- मा खामोश ! शतान कही का ।
- ऐलिक म्विस चीज़ भी भरती हाना चाहता है !
- मा स्विस चीज़ भी भरती होना चाहता है—यह तो ख़बर है मेरे लिए। लगता है तुम तीनों की किस्मत भी देखनी पड़ेगी। (गाड़ी के पीछे जाती है और काराज के टुकड़ों पर फ़ास बनाती है।)
- अफसर (ऐलिक से) लोग कहते हैं स्वीडन के सिपाही बहुत धार्मिक किस्म की चीज़ होता है। ऐसी अपवाहों से बहुत दुःख होता है। इतवार क इतवार प्रायना के दो बोल वह भी आवाज़ ही तो ।
- मा (टुकड़े हवलदार के टोप में डालती है) तो यह बदमाश अपनी बूढ़ी मा को छोड़ जाएगा। है ना ! जग की तरफ़ ऐसे भपटते हैं जैसे दूध पर विन्ली। ख़र, पहले मैं इन परचिया से सलाह करूँगी। इनकी भी मालूम होना

चाहिये कि "भरती हा जाओ नौजवान, तुम तो अफसर लगत हो' कहत स जि दगा फ्ला का सज नही बन जाती। मुझ इतकी बहुत फिकर हा रही है। मुझे डर है कि यह इस जग से बच नही पायेंग। तीना म बहुत भयावक किस्म की खूबिया है। (ऐलिफ से)

लो ! निकाला अपनी किस्मत। (ऐलिफ दूदता है। एक पर्ची निकालता है मा छीन लेती है)

लो ! देख ला ! नास है। बदनसीबी मा की जो गमा की दौलत से पहले ही मात्तामाल है। यह तो जाएगा। भरी जवानी म जाएगा। सिपाही बनेगा तो खाक चान्नी पड़ेगी। लडका भा तो अपन बाप जसा है। इस परची मे सावित होता है, भेजे से काम नही लेगा तो दूसरा की तरह सतम हो जाएगा। (डाट कर) अकल बरतोग कि नही ?

ऐलिफ बरतूगा क्या नही ?

मा ठीक ह। अकल से काम लो और अपनी मा के पाम रहो। डरपोक कह कर मजाक उडाए तो हस कर टाल दो।

अफसर तुम अपनी पतलून गीली करने वाले हो तो तुम्हारे भाई की खबर लेता हूँ !

मा मैंने कहा था न हस कर टाल दो—हसो ! जब स्विम चीज की बारी है। तुम ईमानदार हो। तुम्हारी किस्मत अच्छी होनी चाहिए। (दूदकर निकालती है)

अरे, पर्ची को धबराये हुए क्यों देख रहे हो ? यह खाली हागी। इस पर नास नही हो सकता। तुम भी चले गय तो मैं क्या करूंगी। (खोलती है)

नास यह भी गया। भोला भाला है—इसलिए। ओ स्विम चीज, तुम हर वक्त ईमानदारी और शराफत स रहे हा। हमेशा रोटी खरीद कर बाकी पैसे मुझे दत रहे। देखा, जसा मैंने तुम्हें पाला पोसा है वैसे ही रहना,

नहीं तो तुम्हारा पत्ता बट ! तुम शराफत से ही अपना बचाव कर सकते हो। हवलदार, देखो तो ग्राम ही है न ? हा ! हा ! ग्राम ही ता है। लेकिन ममकम नहीं आता मेरा ग्राम क्यों निकला। मैं तो हमगा मार्च से पीछे रहता हू। (अफसर से) चालाकी भी नहीं हो सकती। इसके बच्चा का भी ता निकला है।

स्विस और तो जीर, भरा भी निकला है। पर म मानूंगा ही नहीं।

मा (कथरीन से) अब ले-दकर तुम रह गयी हो। तुम तो खुद एक कास हा। साफ दिल जो हो। (गाडी की तरफ टोप बढ़ाती है परंतु पर्ची खुद निकालती है।)

घबराहट में मरी तो दिल की धड़कन ही बढ़ हो जाएगी। मैंने शायद अच्छी तरह में इन परिचियों का मिलाया नहीं। बहुत नकी मत दिखाना कथरान। कभी मत दिखाना। तुम्हारे रास्ते में भी यह ग्राम है। जहा तक हो सके, खामोश रहना। तुम्हारे लिए मुश्किल भी न होगा। गुगापन काम आएगा। मानूम हो गया अब ता तुम सबको। बहुत हाशियारी से रहना पड़ेगा। चलो। गाडी में बठू और अपनी राह लगू। (गाडी में बठती है।)

अफसर बुद्ध करा न हवलदार !

हवलदार मेरा तो जो घबरा रहा है।

अफसर टोप उतार देन से हवा लग गई है गायद। इससे जरा खरीददारी की बात छेडो ! (ऊंची आवाज में)

हवलदार वह पेटी ता देख ही सकते हा। यह लाग दुकानदारी पर गुजर बसर करते हैं। सुनो, भई, सुनो ! हवलदार साहब पेटी खरीदना चाहते है।

मा आधे गिल्डर की है। एसी पेटी दो गिल्डर में भी न मिले। (नीचे आती है।)

हवलदार - नई तो नहीं लगती। गाडी के पीछे जाकर देखता हू। यहा

पर हवा बहुत खराब है।

मा मुझे तो हवा भी नहीं लग रही।
हवलदार आधे गिल्डर की हा सकती है। चांदी मंडा है।

माँ छ आँस से कम नहीं। (पीछे जातो है)

अफसर (ऐलिफ से) आओ, हम दोनों मद एक एक जाम चढायें।

मे एवाम मे कुछ द दूगा। तुम कीमत चुका देना

चलो। (ऐलिफ फसला नहीं कर पाता।)

मा ता जावा गिल्डर मजूर ह ?

8913

हवलदार समझ म नहीं आता—मैं हमणा पीछे रहा हू। एक हवलदार के लिए उससे महफूज जाह कौन सीजा मण्ती-ह। मेरी तो भूल भी मर गइ कुल निर्गल नहीं सकूगा।

मा अरे—एसी बात दिल वा ली लगा लत खानो क्या नहीं था सवाग ? तो थाड़ी सी ब्राण्डी पियो।

अफसर (ऐलिफ को ले जाते हुए) दस गिल्डर एवाम और तुम गदनाह के सिपाही बन जाओगे। एक जवान मद सिपाही। औरतें तुम्हारे तलवे चाटती फिरेंगी। और मन जा तुम्हारे वेइज्जती की थी, तुम चाहो ता उमने लिए मेरे बुबडे पर भापड मार सकते हा। (दोनो जाते ह। कैथरीन गाडी से उतर कर बेमतलब आवाजो मे चिल्लातो है।)

माँ आ रही हू। कैथरीन ! अभा आ रही हू। हवलदार साहब कीमत चुका रहे ह। (सिक्का दाँत से काटती हुई आती है।)

मुझे हर सिक्के पर गव होता है। बहुत धोखा ला चुकी ह हवलदार साहब। यह तो खरा है। अब हम चलेंगे। ऐलिफ कहा है ?

स्विस भरती वाले अफसर के साथ गया।

माँ (चुप रह जातो है—फिर) ओ बुद्ध तुम बोल ही नहीं

सकते तुम्हारा क्या कुमूर ?

हवलदार यही जि दगी है दिलेर मा । थोड़ी सी ब्राण्डी पी लो ।
फौज मे भर्ती होना उतना बुरा नहीं जितना तुम समझती
हो । तुम जग पर जीना भी चाहती हो और आग से
दामन भी बचाना चाहती हो । क्यों ?

मा जब तुम्हें अपने भाई की मदद करनी चाहिए क्यरीन ।
(भाई बहन काठी डात लेते हैं और गाड़ी खींचते हैं । मा
साथ चलती है ।)

हवलदार जग है देती जि दगी
करो तुम इसकी बदगी
जि दगी सवार ला
भीत से बहार ला ।

दूसरा सीन

(१६२५ २६ मे दिलेर मा स्वीडिश फौज के साथ पोलण्ड मे सफर करती है । वालहोफ किला के पास वह अपने बेटे को फिर मिलती है । मुर्गी की सफल बिन्नी और यहादुर बेटे क मुनहर दिन ।)

(स्वीडिश कमाण्डर का तम्बू—साथ ही बावर्चीखाना । तोप की आवाज । बावर्ची दिलेर मा से बहस कर रहा है जो उसको मुर्गी बेचने की कोशिश मे है ।)

बावर्ची
मा

साठ हैलर और इस मरियल मुर्गे के लिए ?
मरियल मुगा । अरे मिया, इतना मोटा मुर्गा उमर भर नहा दखा होगा । माठ हैलर क्या न मागू ? कमाण्डर खाना शुरू करे—दिन ढल जाए और यह खतम न हो । और फिर रसोई खाली है—जहरत तुम्हारी

बावर्ची
मा

दम हैलर दजन के हिसाब मे गली मे मारे मारे फिरत है । ऐमा मुगा और गली गली ? इस घेराव के समय जब आदमियो तक की तो टुडिडया निकल आयी हैं । जगली चूहा मिल जाए तो मिल जाए ! उसकी भी उम्मीद कम है क्योंकि अब तो वह भी खतम हो गये हैं । तुमने देखा नहीं, एक फुदकती चुहिया के पीछे फौजी बस भागन हैं । चलो मैंने कह दिया । इम घेराव के कारण इस मोटे-ताजे मुर्गे की कीमत है पचास हैलर ।

वावर्ची लेनिन घेराव म वह लोग हैं। हम नहीं। यह बात तुम्हारे भेजे म जब आयेगी कि घेराव हमने किया है।

मा फक क्या पडता है ? खान क लिए हमार पाम भी कुछ नहीं है। घेराव होन स पहले ही वह मव अपन माय ले गय थे। अब उनक पास खान-पीन क सिवा काम ही नहीं। मुझे ता अपन लोगा की चिंता ह। आम पडास के किसाना का ही दसा, उनक पास खान का क्या घरा है ?

वावर्ची है क्या नहीं। उहान छिपा रखा है।

मा बिल्कुल नहीं। यह बरवाद हो चुके हैं। बिल्कुल बरवाद। मैं उह पेट की आग बुझान के लिए जमीन खाद कर जड़ें डूबते हुए देखा है। अब ता यह हालत हो गयी है तुम्हारी यह चमड़े की पटी उवाल दू ता उनके मुह म पानी भर आए और तुम चाहते हो, इतना सानदार मुगा चालीस हैलर म दे दू ?

वावर्ची तीस मे चालीस मे नहीं—मैं तीस हैलर कहा था।

मा मैं कहती हू, यह आम मुर्गा नहीं है। मैं सुना है यह बहुत गुणवान परिदा था। यह सिफ सगीत के साथ ही दाना चुगता था। एक धुन ता इसकी चहती थी। और ता और, यह गिन भी सकता था। इन सबके लिए चालीस हैलर ज्यादा हैं ? तुम्हारी मुसीबत की भी मुझे खबर है। अगर तुम जरदी से कुछ पका न सके तो कमाण्डर तुम्हांग मह खोखला सिर घड स जलग कर देगा।

वावर्ची तुम भी क्या याद करोगी। लो देखती जाजा अब !

(मीट का एक टुकड़ा निकालता है। चाकू ऊपर रख कर) यह रहा गोश्त ! अभी तल लूंगा। तुम्हें एक मौका और देता हू।

मा तलो—तलो—एक ही साल पुराना तो है !

वावर्ची एक दिन पुराना। बल तक यह एक जीव था। मैं खुद इसकी चौकडिया भरते हुए देखा है।

- मा फिर तो मरने से पहले ही मड गया होगा ।
 वावर्ची मुझे पाच घंटे भी उबालना पडा ता उबालूंगा । फिर
 रखूंगा कमे नही गलता । (काटता है ।)
- मा मिर्ची ज़रा अच्छी तरह म डाल दना । कमाण्डर का वू
 नही आयगी ।
 (स्वीडिश कमाण्डर पादरी और ऐलिफ तम्बू मे जाते हैं ।)
 कमाण्डर (ऐलिफ को शावाणी देन हुए) तुम जब कमाण्डर के कमरे
 म हो परखुग्दार, मरा दाइ तरफ वठा । तुमन एक हीरा
 का काम किया है । तुनन च दाव द करीम की खिदमत की
 है । सबसे बडी बात यह ह कि तुमन इम मुकद्दस जग मे
 हिस्सा लिया है । जब हम यह शहर फतह कर लेंग जीर
 मेरी आवाज की सुनवाई हुड तो तुम्ह मुनहरी तमगा
 इनाम मिलेगा । हद हा गई । हम तो उनकी रूहा की
 हिफाजत के लिए जायें और वह गलीज, काफिर, कुत्ते के
 बच्चे अपन जानवरो का हमसे दूर भगा रह हे । जीर
 अपने पादरियो क मुह दानो हाथो से ठूमन की काशिश
 कर रह हैं । लेकिन तुमन मजा चखा लिया उनका । यह
 तो सुख शराव का एक जाम । हम दानो नोश करभायेंग ।
 (पीते ह ।)
 पादरी बहुत परहजगार है । इसको ज नत की जग की
 ज्यादा फिकर है । बानो म्या खाओग मेरे अजीज ?
- ऐलिफ गोश्त के पाचें मिल जाए तो ।
 कमाण्डर वावर्ची । गश्त लाजा ।
 वावर्ची खाने को कुछ है नही, जीर यह पूरी फीज ले जाता है ।
 (मा उसे चुप करा कर सुनना चाहती है ।)
- ऐलिफ किसानो की भाड भडप से इंसान थक जाता है । भूख
 तेज हो जाती है ।
- मा या खुदा यह ता मेरा ऐलिफ है ।
 वावर्ची कौन ?

- मा मेरा सबसे बड़ा बेटा दो बरस से नहीं देना। भर बाजार में उस भगा ले गया। कमाण्डर उस पर महत्वान हागा। जभी तो खान पर बुलाया है। और नुम्हार पाम खान तो है क्या? याक तुमने सुना, कमाण्डर म महमान ने क्या मागा है? गोश्त! मग कहा माना यह मुगा खरीद ला। सिफ एक गिल्डर म दे दूगी।
- कमाण्डर (पादरी और ऐलिफ के साथ बठ गया है।) जल्ती खाना लाआ मूघर नहीं ता चमडी उधेड दूगा।
- वावर्ची यह धाखाधडी है। लाजा दा यह बाहियात चोज।
- मा (धम्म से) यह मरियत सा मुर्गा।
- वावर्ची ठीक है। ठीक है। इधर लाओ। दिन दहाडे डावा। पच्चास हैलर।
- मा एक गिल्डर से कम नहीं। कमाण्डर के खाममेहमान जीर बेट के लिए कोई भी नीमत ज्यादा नहीं।
- वावर्ची जब तर मैं आग जनाऊ तुम इसके पर ही नाच डालो।
- मा (पर नोचते हुए) अब और इ तजार नहीं कर सक्ता। अपन बहादुर जीर होशियार बेट का मुटू बब देखूगा। एरु वेवकूफ भी है। लेकिन बहईमानदार है। बेटी किसी काम की नहीं। बेजुवान है। बालती नहीं। हमें ऐसी नेमता क लिए खुदा का शुकरगुजार होना चाहिए।
- कमाण्डर एक गिलास और ला अजाजेमन। यह मेरी पसंदीदा शराब है। एक ही डाला बाकी है। ज्यादा से ज्यादा दा होम। लेकिन नोजवान तुम जैसे खुदापरस्त फीजी स मिलने के लिए यह बडी कुबानी नहीं है। हमारा भेडा का रखवाला पादरी या तो बठे तमाशा देखता रहता है या तकरीरें भाडता है। काम कम होता है इसके परिशना को भी खबर नहीं। अच्छा अजोजेजान ऐलिफ, जरा तफसील से बताओ, तुमने किसाना को कैसे ठिकान

लगाया और बीम बलो पर कैम कब्जा जमाया । उम्मीद है, वह जल्दी यहा पहुच जायेंगे । क्या ?

ऐलिफ एक दिन में नही तो दो दिन में
मा यह हुई न ममभगारी की बात । ऐलिफ बला का बल ला रहा है नही तो आज मरे मुर्गे को कोई प्छता भी नही ।

ऐलिफ हुआ यू । मुझे खबर मिली कि किसाना न अपन बना का छुपा रखा है । और रात के समय जगल के खाम हिम्स की तरफ भगा दिया है । बहा में गहरिया न उह ल जाना था । मैंने साचा उनका आराम से जानबरो क पाम जान द् कयोकि ठिकाना उ ही का मालूम था । इस बीच मैंने अपन जादमियो की गाशत की तलब का खूब बढावा दिया । राशन पहले ही कम मिला था । मैंने बागिश में और भी कम करवा दिया । उनका यह हालत हा गइ था कि ग' का काई शब्द सुन ही मह म पानी भर जाता था जने 'गोबर' ।

हमाण्डर बाह ! क्या तरकीब निकाली है ।
ऐलिफ चल गई । बाड़ी सब आमान था । मिफ किसान जरा गिनती में हम से चार गुने थे और लाठिया उठाए हुए । उ होने हम पर ज़ारदार हमला किया । चा जानमिया न मुझे एक पेड की खोह में घेर लिया और मेरी तनवार मरे हाथ से निकल गई । 'हथियार उाल दो !' वह चित्लाये । मैंने साचा, अब क्या कर ! यहता मरा कीमा बना देंगे ।

कमाण्डर तुमने क्या किया ?

ऐलिफ मैं हस पडा !

कमाण्डर क्या ?

ऐलिफ जी हा, हस पडा, और हमबार्ते करन लये । मैंने सीधा धधे की बात छेडी । 'एक बर के बीम गिन्टर ता बहुत ज्यादा है । म पत्रह दे सकता हू । जमा मैं नगीदन ही वाला

था। वह चक्कर में आ गए। वह अभी सिर खुजात साच ही रहे थे कि मैं लपक कर तलवार उठाई और काट कर फेंक दिए। जरूरत के लिए कोई कानून पावा दिया नहीं है। ठीक है न ?

कमाण्डर आपका इशारा क्या है भेटो के रखवाले ?

पादरी

सच पूछो तो धमग्रथ में ऐसा कोई फरमान नहीं। हमारे मालिक ने पाच रोटियो से पाच सौ बनाई ताकि ऐसा कोई जरूरत ही पदा न हो। जब उसने कहा, अपना पड़ोसियो से प्यार करो, उस समय उनके पेट भरे हुए थे। अब हालात बदल गए हैं।

कमाण्डर

(हसते हुए) बिलकुल बदले हुए। आपके इन खूबमूरत अनफाज के लिए शराब का एक घूट ! (ऐलिफ से)

तुमने एक मुकद्दस काम के लिए उनके टुकड़े किए। हमारे जवान भूखे थे। तुमने उनको खान के लिए दिया। क्या धमग्रथ में नहीं लिखा है "जो कुछ तुम मरे अजीज वच्चा के लिए करते हो, वह मेरे लिए करते हो और तुमने उनको ऐसा बढ़िया खाना दिया जो उहान जिंदगी भर नहीं खाया होगा। खुदा की लडाई में जाने से पहले उहाने सूया गटा खाई है और अपनी टापिया में शराब पी है।

ऐलिफ

मैंने अपनी तलवार उठाई और उनको काट कर फेंक दिया।

कमाण्डर

तुम किसी जुलियस सीजर से कम नहीं। तुम्हें तो बादशाह के हुजूर में पैग करना चाहिए।

ऐलिफ

मैंने बादशाह का देखा है। लेकिन शरा दूर से। लगता था जैसे चारों तरफ रींगनी फल गरी हो। मैं भा बसा बनन की कोशिश करूंगा।

कमाण्डर

मेरे अजीज ! तुम कामयाबी की राह पर हो। ऐलिफ तुम नहीं जानते मैं तुम जम बहादुरा की कितनी बर्र करता हूँ

हूँ। मैं अपने जवानों को बिल्कुल अपना मानता हूँ।

(नक्शे के पास जाकर)

जरा नक्शे पर अपनी पाज़ीशन देखो ऐलिफ ! वसी नहीं है जैसी हानी चाहिए।

मा (अब तक सुन रही थी। गुस्से से पर नोचते हुए) यह कोई अनाड़ी कमाण्डर हागा।

वावर्ची अनाड़ी क्या ? थोड़ा लालची जरूर है।

मा उमको बहादुरी की जरूरत है इसलिए। अगर उसकी हमले की स्कीम अच्छी होती तो उसे दूसरा की जरूरत क्यों होती ? सीधे-सादे आम सिपाहिया से काम नहीं चलता ? जहा बड़ी बड़ी खूबिया होती है वहा जरूर गालमाल हाता है।

वावर्ची तुम्हारा मतलब है, वहा सब ठीक-ठाक होता है।

मा मरा मतलब वही है जो मैं कहती हूँ। सुनो जब कोई कमाण्डर या बादशाह अपनी बेवकूफी से अपने फौजियों को किसी चक्कर में फसा देता है उस वक़्त उनको बहादुरी, दिली की जरूरत पडती है। जब उमके पास मुठठी भर लाग हाते है तब उसका हरकूलिस जसे वीरो की जरूरत पडती है। एक और खूबी। और जब वह आलसी और बेकार हो और किसी चीज़ की परवाह न करे, उस समय सिपाहियों को साप की तरह होशियार होना पडता है। नहीं तो वह बेमौत मारे जाएँ। बफादारी भी एक खूबी है। अगर बादशाह हर समय आप से कुछ न कुछ मागता रहे, उस समय आपको इस गुण की बहुत जरूरत हाती है। जब देश का हाकिम या कमाण्डर अच्छा होगा व दोस्त अच्छा होगा, उसको इन सब खूबियों की कोई आवश्यकता नहीं। एक अच्छे दश को ऐसे गुणी लोग की जरूरत ही नहीं—मेरी बला से वह सीधे सादे, ईमानदार या डरपोक हो।

कमाण्डर तुम्हारा बाप भी फीज म रहा होगा ?
 ऐलिफ बहते हैं एउ बहादुर सिपाही था । मेरी मा न मुझे फीज
 में जाने के बारे में चेतावनी दी थी । उसका एक गीत मुझे
 याद है ।

कमाण्डर सुनाओ, हमें वह गीत सुनाओ ! (जोर से)
 गोशत ले लाआ ।

ऐलिफ उसको मद्यपान और फीजी का गीत कहते हैं ।

(जगी नाच करते हुए गाता है)

बनो समझदार रहो हाशियार, लडकं न उनका नमझाया
 नासमझी का काम मत करा बार बार फिर बरजाया
 जिस्म के ज़रें तरे का ब दूक उठाकर रख दगा
 हडडी पसली, अतडी में बारूद के छरें भर दगा
 वाट जोहता है पानी तुझको तो वा खा जाणगा
 दूर रहो तुझको मुकाबला उससे क्याकर आएगा ।
 फीजी फिर भी हुसे साथ ब दूक उठाकर के भागे
 फिर नहीं मरनेवाला को सभी अभाग है आग
 मनुकर जगी नक्कार को हाथ में खजर ले बाले
 जाएगे हम उत्तर दक्खिन क्या मूरख वे क्या भाले
 अरे फीजियो ! मौख हमारी भी क्या तुम ठुकराआग'
 लडकी कहती रही 'बुजुर्गों की भी बात न मानोगे
 कहती हू पछताआगे पछताआग पछताआग
 मौफनाक मजर ही होगा वहा नहीं कुछ पाआग
 रख म्यान में खजर फिर भी फीजी बाले मुस्कात
 पानी क्या बिगाड सकता है शरा जमे दरते
 चमकगा जब चाद गगन म तब हम बापम आएगे
 दुआ तुम्हें करनी है, ता कर, हम जाते हैं, जाएग'
 (अंत में मा भी गान लगती है)

दिनेर मा 'अरे फीजियो ! बोली औरत गुनके सब मर जाओगे
 धुआ बिलख जाता है जस हस्ती सभी गवाओगे

मत समझो यह काम तुम्हारा मुझमें ताकत लाएगा
 हाथ खुदा ही तुम्हें बचाए धुआं बिखरता जाएगा'
 दुरा थाम व दूक उठाकर फौजी उतरे पानी में
 पानी को तो इ तजाय था डूब गए सब पानी में
 चमक रहा था चांद गगन में मगर दीखता था ठण्डा
 उतराती थी नाशें उनकी पानी था वहद ठण्डा
 उस औरत ने ठीक कहा था बात बड़ी दुखदाई है
 सच्ची बात न मान समझो उसकी मति भरमाई है

कमाण्डर
 ऐलिफ
 मेरा बाबर्चीखाना भी खूब है। जा जी म आय करत ह।
 (मा के गले मिलकर) आ मा ! और लाग कहा ह ?
 कने हैं ?

मा
 पानी में कुलल करती हुई उत्तखा की तरह खुश ! स्विस
 चीज दूसरी रेजीमट का खजाची है। नडाई मोर्चे से दूर
 है। जग में दूर रहना तो मुश्किल था।

ऐलिफ
 मा
 कमाण्डर
 तुम्हारे पाव तो जमे हुए ह न ?
 सुबह जूते पहनते हुए कभी कभी तकलीफ हाती है।
 (आकर) तो तुम इसकी मा हो ! इस बरखुरदार जमे
 और बेट ह मेरे लिए ?

ऐलिफ
 मेरी खुशकिस्मती है। तुम बाबर्चीखान न बठी अपन बट
 की दावत हाते देखती रही।

मा
 हा ! मैं तुम्हारे कारनाम सुन रही थी। (कान मराडती
 है।)

ऐलिफ
 मैं बल छीने, इसलिए ?

मा
 नहीं इसलिए कि जब चार किसान तुम पर टूट पड़े
 और तुम्हारा कीमा बनाने की कोशिश की—तुमन हार
 नहीं मानी। मैंने तुम्हें अपनी देर भाल करना नहीं
 मियाई थी—गतान ?

(पादरी और कमाण्डर दरवाजे में खड़े हसते हैं)



तीसरा सीन

(तीन बरस बीत गये। फिनिश रेजीमेट के साथ मा, कदी बना ली जाती है। बेटा और गाडी बच जाते ह। ईमानदार बेटा मर जाता है।)

एक कैम्प

(रेजीमेट का झण्डा फहरा रहा है। दोपहर—हर किस्म के बरतन गाडी से लटक रहे हैं। कपडे सुखाने वाली रस्ती एक तरफ गाडी से दूसरी तरफ तोप के मुह से बधी है। मा एक अफसर से गोलियों की एक बोरी खरीदने के लिए बहस कर रही है। सजाची की बर्दा मे स्विस चीज खडा देख रहा है। ईबेटी ब्राण्डी का गिलास सामने रखे रगोन हीट सी रही है। लम्बे मौजे पहने हैं। लाल जूते पास पडे हैं।)

अफसर मुझे पस चाहिए इसीलिए तुम्ह यह गालिया सिप दा गिल्डर म द रहा हू। करनल अपन दोस्ता के साथ तीन दिन से पी रहा है। शराब कम पड गई है।

मा यह फौज का माल है। मेरे पाम पकडा गया तो बाट मागल कर देंग। और तुम हरामखोरो, गोलिया ता य् बेच दते हा और जवानो को मालो हाथ लडन व लिए भेज दते हा।

- अफसर अरे छाडा भी न। तुम मेरी चम्पी करी मैं तुम्हारा करूंगा।
- मा मैं फीजी माल नहीं खरीदूंगी। इस कीमत पर तो कभी नहीं।
- अफसर तुम इनको छ जाठ गिल्डर मे चौथी रेजीमेंट के अफसर को बच सकती हो। रसीद वारह गिल्डर की देना। उसके पास एक भी गोली नहीं।
- मा तुम खुद क्या नहीं बेच देते ?
- अफसर वह साला मेरा जिगरी दोस्त ह। मुझे उम पर विश्वास नहीं।
- मा (थला लेकर) लाओ दे दो। (कथरीन से)
इसका उधर ले जाओ और डेढ़ गिल्डर दे दो।
(कथरीन अफसर के साथ जाती है। स्विस् चीज से)
यह लो अपना अगोछा। सम्भाल कर रखना। अक्टूबर जा गया है। सर्दी कभी भी शुरू हो जाएगी। मैं यह नहीं कहा जरूर शुरू हो जाएगी क्योंकि मेरा तजुर्बा है कि जरूरी कोई चीज नहीं होती। मौसम भी नहीं। तुम्हारा हिसाब किताब ठीक मिलना चाहिए। तुम एक रेजीमेंट के खजांची हो हिसाब किताब ठीक है न ?
- स्विस् हा मा !
- मा याद रखो ! तुम ईमानदार हो और रुपया लेकर भागन की हिमाकत नहीं कराओ। इसलिए उतहान तुम्हें खजांची बनाया है। और यह अगोछा मत खो देना
- स्विस् नहीं मा ! मैं इसको बिस्तर के नीचे रखा करूंगा। (जान लगता है।)
- अफसर मैं तुम्हारे साथ चरता हू खजांची साहब !
- मा देखो। इसको कोई उन्टी पट्टी मत पढाना। (अफसर और स्विस् चीज जाते हैं।)
- ईवेटी गुडनाईट तो कहने जाओ।

- मा वह स्विस चीज की सोहवन के बाबिल ही नहीं। जग की गुफात ता अच्छी है। सब दशा का इसकी चपट म आत तक चार पाच बरम ता बीत ही जाएग। मेरा जन्दाजा गलत नहीं हुआ तो आने वाले दिना म सब कमाई हागी। तुम अच्छी तरह जानती हा इस बीमारी की हालत म तुम्ह सुबह सुबह पानी नहीं चाहिए।
- ईवेटी किसने कहा मैं बं मार हू ?
- मा सभी कहते हैं।
- ईवेटी बकते ह ! मैं परेशान जरूर हू दिलेर मा ! ऐसी ही बक-वास से तग जा गई हू। वह मेरे से इस तरह दूर भागते है जैसे मैं कोई सडो हुई मछली हू। मैं भला किसलिए हैट की भरममत कर रही हू। (हैट फेंक देती है।)
- इसीलिए मैं सुबह सुबह पीना गुरू कर दती हू। पहले नहीं पीती थी। लगता है मेरे पख निकल जाए हा। लेकिन अब कोई परवाह नहीं। रेजीमट का हर जादमी मुझे जानता है। पहला धोखा खाने के बाद मुझे घर पर ही रहना चाहिए था। लेकिन स्वाभिमान हम जसा क लिए नहीं है। धूल फाकी नहीं ता जाआ नाड म।
- मा अब तुम मेरी भोली भाली बटी के सामन अपन दाम्त पीटर का किस्सा मत छेड देना।
- ईवेटी इसका तो जरूर सुनना चाहिए जिसम यह प्यार प्यार के चक्कर से बची रहे।
- मा इस चक्कर से बचना ता मुश्किल है।
- ईवेटी मैं तुम्हें सुनाकर अपन दिल ता बाक हल्का कर लती हू। मैंन पोलण्ड के खेता म परवरिंग पाई। वही सब गुरू हुआ। न मैं उसे बहा देखती। न मैं आज पालण्ट म हाती। वह एक फीजी खानमामा था। मुनहरी बाल। छरहरा बदन। कथरीन ! मैं ता छरहर जादमियो स न बच गया तुम हागियार रहना। मुझे पता नहीं था, मेर न पहन

भी उसकी एक प्रेमिका थी जो उसे पीटर पार्क पर कहा करती थी। क्योंकि वह मुह से पाईप कभी नहीं निकालता था। उसे फक ही नहीं पडता था।

(गाती है)

दुश्मन जब आया गाथा मे तब मैं सोलह साल की था
 म्यान म रखकर कटार उसन मरी कलाई धामी थी
 मई परेड के बाद जब हुई रात मई की जवा
 जग के नक्कारो म तब ही गूज उठा जासमा
 दुश्मन मुझे खीच ले आया घाटी के पीछे
 मैं भी खिची खली आई थी जाखो को मोच
 वहा गले मे उसन मरे पहिनाया बाहों का हार
 म नफरत करती थी उससे लेकिन करती भी थी प्यार
 मई परेड के बाद जब हुई रात मई की जवा
 जग के नक्कारो से तब ही गूज उठा आसमा
 प्यार अनोखा अजब मिला उस दुश्मन से मुझका
 धीरे धीरे भूल सी गई मैं अपनी नफरत का
 घडी बुरी जाई तब इक दिन डूबा किस्मत का तारा
 चौराहे पर जग के बाजो ने फौजो को ललकारा
 दुश्मन जो मरी जा था वो भी उसम शामिल था
 चला गया वो गाव से मेरे टूटा मेरा दिल था।"
 मेरी भूल थी जो उसके पीछे भागती फिरी। मैं उस कभी
 न पा सकी। अब तो दम बरस बोल गए। (गाडी के पीछे
 जाती है।)

मा अपना हैट तो लेती जाओ !
 इवेटी वा तो चिडिया के लिए है।

मा इवेटी से सबक सीखो कथरीन ! फौजी से दिल मत
 लगाना। प्यार ज नत स उतर कर आइ हुई परी की तरह
 मन को लुभाने वाला होता है। सम्भल कर रहना। जो

योग फीज म नही हैं उनके साथ भी जि दगी फूला की मज नही होती। वह कहंगा मैं तुम्हार पाव चूमना चाहता हूँ बल धोए ये कि नही और अगर तुम हाशियाग नही हा तो पत्ता बट जि दगी भर गुलामो करागी। गुरु करो तुम गूगी हा। तुम्ह अपन वह पर अफसोस ता न हागा। कह कर मुक्ग्ना तो नही पडेगा। गूगापन ईश्वर का वग्दान है कमाडर का वावर्ची जा रहा ह। वीस लाया हुआ क्या ह ?

(वावर्ची और पादरी जाते हैं।)

- पादरी तुम्हारे बटे ऐलिफ ना पगाम लाया हूँ। वावर्ची भी मर साथ चला आया। तुमन इस पर रग जमा दिया है।
- वावर्ची मैंने सोचा मैं जग चहलकदमी ही कर आऊँ।
- मा जरूर करा चहलकदमी, लेकिन हृद मे रह कर करना। न भी ग्हाग ता क्या। तुम जसे स ता निपट ही सकती हूँ। और यह ऐलिफ क्या चाहता है ? मेरे पाम पालत्र पसा नही है।
- पादरी मैं उसके भाई के लिए पगाम लाया हूँ
- मा वह यहा नही है। वह कही भी नही है। वह अपन भाई का खजाची नही है। और मैं उसे किनी लालच म जान नही दूगी। ऐलिफ से कहा कोर् और घर देने। (बेटी से पसे निकाल कर।) शम आनी चाहिए उस। वह मा के प्यार का नाजायज फायदा उठा रहा है।
- वावर्ची ज्यादा दर नही जब—उम अपनी रजीमट क साथ जाना पडेगा। शायद भीत क मुह से वापस ही न आए। बुद्ध और पसा भेज दा नही ता बाद म अफसास हागा। तुम औरत लाग पहले ता बहुत मटनी करती हा। बाद म पछताती हो। एक गिलास ब्राडी की कामत क्या ह ? वह नही देंगी और यह भूल जाता है आदमा जब एक बार छ फूट धरती म दफन हो जाणगा ता कभी बाहर नही

रहन हैं। अब दगा स्वीडन का बादशाह अमन चा स लौट रहा था। ता इन्होंने उम पर हमला कर लिया। सुन्द-वन्दुद मुजग्मि बन गए। भना इसनी क्या जग्मरत थी ? अज उनका खून उही के सर है।

पादरी

जा नी हो। हमारे बादशाह का इगदा इन लोग का आजादी दिलान का था। वमर न जरमना और पोला का गुनाम बना रया था। हमारा बादशाह उनका आजाद करवान पर मजबूर हो गया।

वावर्ची

जानती हो, मैं क्या सोचता हू ? तुम्हारी सहत के वार म। तुम्हारी श्राटी बहुत बढ़िया है। सूरत स मैं कभी धाया नहीं खाता। (कधरीन उनको तरफ देखती है। काम छोडकर हैट के पास जाती है। उठाती है। ताल जूते उठाती है।) और यह लडाई धम की लडाइ है। (कधरीन जूते पहनती है।)

अब बादशाह गस्टावम की बात ले लो। जमनी को आजाद कराने म उसका दावाला निकल गया। अपन मुल्क स्वीडन मे नमक पर टक्स लगाना पडा। गरीबा को यह अदा जरान भाई। वह नाराज हो गए। और यह जमन अपन कसर से यू चिपके हुए थे कि उनका आजाद करवाने के लिए हजारों को बंद करवाना पडा। कई एक के तो सर उडवान पडे। एसी बात भी नहीं थी कि कोइ आजादी नहीं चाहता हो। ऐसा होता ता हमारे बादशाह को मजा ही क्या आता। पहले उसने पोलण्ड की बदमाशा स बचाने की क.गिश की। खास तौर पर कंसर से। फिर जसे खाना खाने से उसकी भूख बढने लगी। वह जमनी की भी हिफाजत करने लगा। अब जमनी ने डट कर मुकाबला किया। बादशाह बेचारे चत थे भलाई करने। बदले म मिली बदनामी और बेकार की परेशानी। पसा वसूली के लिए टक्स लगाने पडे जिसस

मारकाट हुई। हमारे बादशाह ने वह भी किया। एक चीज उसके हक में जरूर थी। वह था खुदा का नाम, नहीं तो लोग कह सकते थे, उसने जो कुछ किया है अपन फायदे के लिए किया है। जमीर भी साफ रही। जमीर का उसने खास खयाल रखा था।

मा लगता है तुम स्वेडी नहीं हो। होते तो बादशाह के लिए ऐसा कभी नहीं बोलते।

पादरी और तो और—उसी की रोटी खाते हो।

बाबर्ची मैं उसकी रोटी खाता नहीं, पकाता हूँ।

मा उसे कोई शिकस्त नहीं दे सकता। बताऊँ क्यों? उसकी प्रजा उस पर विश्वास रखती है। बड़े-बड़े आदमियाँ को बात करते हुए सुनो। लगता है वह खुदा के डर से जग कर रहे है या दुनिया की भलाई के लिए। जरा पास से देखा तो मालूम होगा वह इतने सीधे नहीं हैं। वह भी खूब नफा कमाना चाहते हैं। नहीं तो हम आप जस छोट लाग उनकी मदद कैसे करेंगे?

बाबर्ची बिल्बुल ठीक।

पादरी तुम डबूच हो, इसलिए बात करने से पहले देख लिया करो शडा कौन सा फहरा रहा है।

मा खुदाई खिदमतगार।

बाबर्ची खिदाबाद।

(कयरीन ईबेटो का हैट पहन कर उसकी घास की नकल करने की कोशिश कर रही है। अचानक तोप और गोलियों की आवाज। नक्कारा! मा, बाबर्ची और पादरी गाड़ी के आगे आते हैं। बाबर्ची तथा पादरी के हाथ में गिलास है। तोपखाना का अफसर और एक सिपाही भाग कर आते हैं और तोप को घबरेलने की कोशिश करते हैं।)

मा अरे! अरे! यह क्या कर रहे हो हरामखोरो! ताप से मुझे अपन कपडे तो उतार लेन दा।

श्रेष्ठ सर (किथोलिकम, अभिचानकी) हमला, पता नही हम बच भी पायेंगे (सिपाहीसे) तुम यह तोप लेकर आओ। (भाग जता है)

वावर्ची या खुदा मुझे अपने कमण्डर के पास जाना चाहिए। दिलेर मा मैं एक दो दिन में फिर आऊंगा। जरा गप-गप करे (जाता है)

मा अरे रे रे! अपना माईप तो लेते जाओ!

वावर्ची अपने पास रख छोड़ो। मुझे फिर जरूरत पड़ेगी।

मा यह हाताही था। मेरी बमाई शुरू हुई थी न

पादरी मुझे भी जाना पड़ेगा। दुश्मन इतना नजदीक हा तो मीमा खतरनाक ही सकता है। अमन पसदो पर खुदा की रहमत जग मा यह नाडा ठीक है। अगर वही से एक लोगी मिल जाता तो

मा मैं जोयाबगैरह कुछ नहीं दूगी। जान बचान के लिए भी मानही। महला बहुत तजुर्वा कर चुकी हू।

पादरी लेकिन मेरी जान को सास खतरा है। मेरे घम की वजह से।

मा (खोचा देती है) यह मेरे असूलाके खिलाफ है। अब भाग जाओ।

पादरी बहुत बहुत गुनिया! तुम बहुत रहे मदिल हो। लेकिन मैं यहा ही क्या न रक जाऊं! भागकर खामखाह दुश्मन

की मागी (सिपाहीसे) ज्जो मरी रहन दो बुद्ध। तुम्ह इमक लिए जिना जिनामया मिरेया ह। जान खेचारेमे धलीआएगी। जाओ।

मा मैं समोआ लूगी। सिपाही या (भागने लूँ) तुमा मेरे मया ह ही मैं कोशिश की (सु) इना मरी गिना

मा मैं इहो हा मैं तसम गा मूगी। (बंदरीन को हट से देखकर) और तुमा यह माहिना औरत को हट पहन कर क्या कर

रही हो ? उतार कर फेंक दो। इसी वक्ता ! दिमाग चल गया है क्या ? दुश्मन सग पर आ रहा है। (उतार देती है।) तुम चाहती हो तुम्हे उठाकर ले जाए और रडो बना दें। और लो, जूने भी पहन रखे ह जसे सीधी काबुन से चली जा रही हो। अभी खबर लेती हू। (उतारती है।)

खुदा की मार। जो पादरी साहब ! जरा मह जूते उतारो, मैं अभी जाती हू। (गाडी मे जाती है।)

इंवेटी (चेहरे पर पाउडर लगाती आती है।) क्या कहा तुमने, कथोलिक आ रहे है। मेरा हैट कहा है ? अरे कौन इस पर क्रूद रहा था ? मैं अब यह पहन कर कसे जा सकती हू। वह मेरे बारे मे क्या सोचेंग। मेरे पास जाईना भी तो नहीं। (पादरी से) मैं कसी लगती हू ? पाउडर ज्यादा तो नहीं ?

पादरी जी जी जी हा ठीक है।

इंवेटी मेरे जूने कहा है ? (कथरीन छुपा कर बठी है।)

मैं यहां छोडकर गई थी। कितनी शरमनाक बात है। मुझे नग पाव जाना पडेगा। (जाती है। स्विंस चीख कश ब्राक्स के साथ आता है।)

मा (हाथ राख से भरे हैं—कथरीन से) राख लाई हू ! (स्विंस से) यह क्या है ?

स्विंस रेजीमेट का केश ब्राक्स !

मा फैंक दा इमे। तुम्हारे खजाचीपन के दिन खत्म हो गए।

स्विंस मेरी निगरानी मे है। (गाडी के पीछे खता है।)

मा १, अपना सह-निवादा जल्दा ही खोजो तो पहचाने जाओगे। (कथरीन को ब्राक्स मिलती है।) २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

टिला, मृत, शीको, पूरा, सग, लो, ज ज लता अरपे। क्या मत से कम नहीं हो। कहुवे हैं—दीये, का, साचलमे छुपा कर रखवा चाहिए वशे मे घुत सिपाही को खुवसुरत चेहरा

नज़र आया नहीं कि एक तवाईफ़ बढ गई दुनिया म ।
तास तोर से सिपाही कथालिक हो तो । हपतो तक मुठ
नही मिलता । और जब मिलता है तो औरता पर दूर
पडते हैं । वस काफी है । जरा दखू तो । बुरी नहीं लगती ।
ऐसा लगता है तुम कीचड म लाटती रहीं हा । काप क्या
रही हो ? कुछ नहीं हागा अब । (स्विस से) काग बाकम
छोड आए ?

स्विस मैंने सोचा गाडी मे ही रख दू ।

मा क्या मेरी गाडी म ? खुदा की मार तुम पर । पक्क बव-
कूफ हो । जरा मेरी नज़र चूके और हम तीनों फार्सी पर
लटकते नज़र आयें ।

स्विस वही और रख देता हू—या लेकर भाग जाता हू ।

मा तुम जहा हो वहीं रहो अब देर हो गई है ।

पादरी (कपडे बदलते हुए) या खुदा ! वह भडा ?

मा खुदा की मेहर । पच्चीस बरस से यू ही नगा है । याद भा
नही रहा । (तोप की आवाज़ बढती है ।)

×

×

×

(तीन दिन बाद । सुबह । तोप गायब है । मा, स्विस-
पादरी, कयरीन खा रहे हैं ।)

स्विस तीन दिन हा गए । बेकार यहा बठा हू । हवलदार कितना
मेहरबान था । कह रहा होगा—यह स्विस चीज कश
बावस लेकर वहा गायब हो गया ।

मा शुक्र मनाआ दुश्मनो को खबर नहीं हुई ।

पादरी मेरा क्या होगा ? पूजा भी नहीं कर सकता । घम ग्रंथ
मे लिखा है अफरात से जुबा बालती है” लेकिन क्या
मजाल जो मेरी जुबान से एक लपज भी निकला हा ।

मा एक अपना घम लिए बठा है, दूसरा काग बाकम । पता
नही दोनो मे क्यादा खतरनाक कौन है ।

पादरी खुदा का ही आसरा है अब तो !

मा मेरा रयाल है इतनी बुरी हालत नहीं हुई अभी । बस रात को नींद मुश्किल से आती है । स्विस् चीज नहीं हाता तो ज़रा आसानी होती । फिर भी मेरी चाल सफल रही । मैंने कहा । मैं काफ़िरो के खिलाफ हूँ । वह सर पर सीगा वाला स्वीडी है । मैंने बताया, मैं उसका बाया सीग देखा है । वह सवाल करते, मैं पूछती पवित्र मोमबत्तिया सस्ती कहा मिलती है । मुझे मालूम था कथोलिक मोमबत्तियों का बड़ा मानत है क्योंकि स्विस् चाज का बाप भी कथालिक था और इन रस्मा की खिल्ली उड़ाय़ा करना था । उह यकीन तो गही आया लेकिन उह एक कंटीन की ज़रूरत है इसलिए उहाने जाखें बद कर ली हैं । शायद सब कुछ भले के लिए ही होता है । हम कदी है । कदी तो बोडे मकोडे भी हैं ।

आदरी दूध अच्छा है । लेकिन हमे अपनी स्वीटी भूख कम करनी पडेगी । हार जो गए है ।

मा कौन हार गया है ? ज़रूरी नहीं है, बडे लोगो की जीत या हार छोट लोगो की जीत या हार भी हो । कई बार ऐसा हुआ है बडे लोगो की हार छाटा की जीत हुई है । इज्जत चली गई । क्या फक पडता है । तिवानिया म एक बार हमारा कमाण्डर बुरी तरह पिटा । अफरा-तफरी मे एक जानदार घाडी मेरे हाथ लगी । सान महीने तक मेरी गाडी खीचती रही । हम जीत गए और लूटमार का हिमाव हुआ । वापस करनी पडी । जीत हा या हार । हम जसे गरीबो को दोना ही महगी पडती है । सियासत मे फनने की बजाय अच्छा है, आदमी दलदल मे फस जाए ।

(स्विस् से) आओ !

स्विस् मुझे अच्छा नहीं लगता । हवलदार अपन जवाना को तनख्वाह कैसे दगा ?

- माँ भगोडो को तनट्वाह नहीं मिलती ।
स्विस वह माग तो सनते हैं । वह सक्त हैं तनट्वाह नहीं मिलेगा
ता हम भागेंगे नहीं । वह हिलन से इन्कार कर देंगे ।
- मा स्विस चीज 'तुम्हारी पञ्ज की पाव दी स मुझे डर लगता
है । मैंने तुम्ह ईमानदार बनन का कहरा इसलिए कि तुम
ज्यादा चालाक नहीं थे । लेकिन हृद मे मत बढो । मैं
पादरी के साथ बथोलिक भ्रम और गायत लेने जा रहा
हू । इससे बढिया गोशन सूधू कोई नहीं । इसके मुह म
आये पानी से मालूम हो जाता है गायत अच्छा है या
नहीं । भला हो उनका, भेरी कट्टीन बढ नहीं की ।
व्यापार म भाव पूछते हैं । धम नहीं । प्रोटस्टट पतलून
भी कम गम नहीं होती ।
- पादरी अब राहब ने कहा, ' शहर हो या गाव, सूधर भगत उनका
इज्जत से रखेंगे । उस वक्त धम गुरु ने कहा, ' भिखारिया
की जखरत ता रहेगी । ' (मा गाडी मे जाती है ।)
उसको कश-बाक्स की फिकर है । अब तक तो उहान हम
गाडी का हिस्सा समझ कर परवाह नहीं की । लेकिन
कब तक ?
- स्विस मैं उससे पीछा छुडा सकता हू ।
पादरी यह ता और भी ज्यादा ततरनाक बात है । अगर वह दख
लें तो ? चारो तरफ उनके जासूस हैं । कल सुबह जहा मैं
हलका हो रहा था, उसी खदक म से एक बूद कर बाहर
निकला । भाडा फूट जाता । इतना अचानक हुआ यह सब
कि मैं दुआ पढता पढता रह गया । भरा ख्याल है कि
प्रोटस्टट की पहचानने के लिए वह उनका अहम
पाखाना सूधते हैं । जासूस जरा सभ्त जान था । एक जास
पर पटटी बधी थी ।
- मा (टोकरी लिये आती है ।) शतान की खाला । पकडी गर्द
आखिर ! (ईवेटी के बूट हाथ मे हैं ।) ईवेटी के बूट ।

तुमने उसे कह दिया ये, हसीना, कौन है और ये बूटो के पीछे पड गई। (टोकरो में डाकूती है।)
 ईबटो के जूता की चोरी। वो पैसे के लिए इज्जत बेचती है, तुम झूठी खुशी के लिए। मैं तुम्हें कहा ना, अमन होना दो, अपनी इस मोरनी जसो जाल को सभाल कर रखो। ये सिपाहियो के लिए नहीं है।

पादरी
 माँ

मुझे तो मारनी जैसी नहीं लगती। अपने आपको बहुत कुछ समझती है। जब कोई कहता है, अरे इस बेचारी को ता मैंने देखा ही नहीं तो मुझे बहुत अच्छा लगता है। जब वा पत्थर की मूरत बन जाती है तो और भी अच्छी लगती है। (स्विस से)

कश बाक्स जहा है वही रहने दो और अपनी बहन की फिकर करो, तुम्ही मेरी मौत का सामान बनोगे। मैं परो की बोरी सभाल रखू। (पादरी के साथ जाती है।)
 कथरीन प्लेटें उठाती ह।

स्विस

दिन दूर नहीं जब आप आराम से घूप सँक सकेंगे। (कथरीन पेड की तरफ इशारा करता है।)
 हा पत्ते पहले ही सूख चले हैं। (कथरीन इशारे से शराब के लिए पूछती है।)

नहीं, कुछ नहीं पीऊंगा। मैं सोच रहा हूँ— (रुक कर) मा कहती है वह सो नहीं पाती। मुझे कश बाक्स ले ही जाना चाहिए। मैंने एक जगह देखा है। समय आने तक उसे नदी के किनारे एक खोह में रख छोड़ूंगा। शायद आज रात को ही सूरज निकलने से पहले रेजीमेट तक ले जाऊ। तीन दिन में वहा तक भाग सकें होंगे। हवलदार की आखें फट पड़ेंगी। कहगा—स्विन चीज तुमने तो कमाल कर दिया। तुम पर यकीन किया, कश बाक्स तुम्हें सौपा और तुम वो लेकर वापस आ गये। कथरीन अब मैं एक गिलास पीऊंगा।

(कथरीन गाड़ी के पीछे जाती है। उसे दो आदमी मिलते हैं। एक हवलदार है। दूसरा भुक्करहेट हिला कर सलाम करता है। उसकी आंख पर पट्टी बधी है।)

प० वाला

सुबह मुबारिक नौजवान औरत। तुमन दूसरी प्राटस्टट रेजीमट का कोई आदमी देखा है ?

(घबरा कर वह ब्राण्डी गिराते हुए भागती है। दोनों आदमी एक दूसरे को देखते हैं। स्विस् चीज को देखकर छिप जाते हैं।)

स्विस्

(चोंककर) अरे अर, ब्राण्डी गिरा रही है—क्या हुआ तुमको—देखा तो सही, कहा जा रही हो। तुम्हारी बात मेरे पल्ले नहीं पडती—जा भी हो, मैं फंसला कर लिया है—अब जाना ही होगा।

(उठ जाता है। कथरीन हर तरह से उसे खतरे से आगाह करने की कोशिश करती है। वह उसे एक तरफ ढकेल देता है।)

पता भी ता चले तुम चाहती क्या है। जानता हूँ तुम भला चाहती हो लेकिन कह नहीं सकती। ब्राण्डी की फिक्कर मत करो जिन्दा रहूंगा और बहुत पीऊंगा। एक गिलास क्या होता है। (कश-बाकस गाड़ी से निकाल कर बोट में छिपाता है।)

मैं अभा गया और आया। मुझे रोकने की कोशिश मत करना, नहीं तो डाट दूंगा। भला चाहती है—बास, तुम बोल सकती।

(रोकने की कोशिश करती है—माथा चूम कर अपने आपको छुड़ा लेता है। वो आवाजें करती इधर उधर भागती है—पादरी और मा आते हैं। उनकी तरफ जाती है।)

मा

क्या हो रहा है—यह क्या हो रहा है कथरीन ? सम्भलो जरा। किसी ने कुछ तुम्हे किया है ? स्विस् चीज कहा

है ? (पादरी से) सड़े मन रही । क्यालिक भडा नगा दा । (टोकरी से भडा निकालती है । पादरी उमे सटकाता है ।)

पादरी (गुस्से से) कथोलिक जिंदावाद ।
 मा मघर करो कैथरीन, यताओ क्या हुआ ? तुम्हारी मा ममभ जाती है । क्या ? वा हरामी का पिल्ला बश-बावस ले गया ? मैं उस बदमाश के बान उखाड दूंगी । बालने की कोशिश मत करो । इगारो म बताओ तुम्हारा कुत्ते की तरह बिलबिलाना मुझे अच्छा नहीं लगता । पादरी क्या साचेगा । वो ऐमे ही बाप रहा है । एक आख वाला आदमी आया था ?

पादरी एक आख वाला आदमी जामूस क्या वो स्विस चीज को पकड कर ले गय ? (कथरीन सिर हिलाती है ।)
 अब गया बेचारा ! (बाहर आवाजें । दो आदमी स्विस चीज को लाते हैं ।)

स्विस मुझे जाने दो । मेर पास कुछ नहीं । मेरे बच्चे की हडडी क्या तोड रहे हो । मैं बेकुसूर हू ।

हवलदार यही से गया है । यह इसके दोस्त ह ।

मा हम ? कब से ?

स्विस मैं इनको नहीं जानता । मैं तो सिफ खाना खा रहा था । दस हेलर देने पडे । मुझे बेंच पर बठे देखा होगा । नमक ज्यादा था ।

हवलदार तुम लोग कौन हो ?

मा हम कानून के पाबद शहरी है । इसन जो कहा है ठीक कहा है । इसन खाना खरीदा था जीर उसमे नमक ज्यादा था ।

हवलदार तो तुम इसे नहीं जानते ?

मा मैं इन सबको कमे जान सकती हू, बताआ तो । म यह तो नहीं पूछती, तुम्हारा नाम क्या है । तुम काफिर हो या

नहीं। मरा पसा द दें तो मरे लिए कोई काफिर नहीं -
तुम हो क्या ?

स्विस नहीं तो !

पादरी एक शरीफ आदमी की तरह बहा बठा था। एक बार भा
इसन मुह नहीं खोता। हा खाना खान के लिए सोला था।
वो जरूरी था इसलिए।

हवलदार तुम किस खेत की मूली हो ?

मा यह—यह मेरा बरा है। तुम्हें प्यास लगी होगी, यकान
से पाव दुब रहे हाग। ब्राण्डी लाती हूँ !

हवलदार ड्यूटी पर ब्राण्डी नहीं ! (स्विस से) तुम कुछ उठाय हुए
थे। जरूर नदी के किनारे छुपा दिया होगा। तुम्हारी
कमीज हमना उभरी हुई देखी थी।

मा तुम्हें विश्वास है, यही था ?

स्विस तुमने किसी और का देखा होगा। हा एक आदमी था
जिसने कमीज में कुछ छिपा रखा था। मैं भी देखा था।
मैं तो दूसरा आदमी हूँ !

मा मेरा भी यही रयाल ह। कोई गलतफहमी जरूर हुई है।
सभी को हो जाती है। मैं दिलेर मा हूँ। मेरे बारे में तुमने
जरूर सुना हागा। मुझे सभी जानते हैं। मैं तुम्हें बता
सकती हूँ, यह शरीफ आदमी है।

हवलदार हम एक रेजीमेण्ट का कश-वाक्स ढूढ रहे हैं। जिसके पास
वो था, हम उसे पहचानते हैं और दा दिन से ढूढ रहे हैं।
और वह तुम हो।

स्विस नहीं, मैं नहीं हूँ !

हवलदार नहीं बताओग तो जान से जाओग, समझे ! बताओ कहा
है ?

मा (जल्दी से) वह अपनी जान बचाने के लिए जरूर तुम्हें दे
देगा। यह भी कह देगा हा है मेरे पास य रहा। तुम
ताकतवर हो ना। यह बेवकूफ नहीं है। मुह से फूटा तो

स्विम
हवलदार
मा

मही बुद्ध ! हवनदार तुम्हे एक मौका दे रहा है ।
मर पास न हा ता क्या करू ?
चला मरे साथ—हम निकलवा लेंगे ! (ले जाते हैं)
(चीलते हुए) वह तुम्हे बता देगा—वह बंबूफ नहीं है ।
उसके कंधे की हड्डी मत तोड़ देना । (उनके पीछे
जाती है)

× × ×

पादगी

(उसी गाम ! पादरी और कथरीन गिलास धो रहे है और
चाकू पालिश कर रहे हैं ।)
धम की तारीख मे लोगो के ऐसे पकडे ज्ञान के किस्से
कम नहीं है । खुदाबद करीम, मुकद्दस बाप का एक
किस्सा मुझे याद आ रहा है, एक गीत है उसके बारे
मे

गीत

दिन का था पहला पहर
तब बजा खूनी गजर
सीधे सादे इक मसीहा का दिया खूनी करार
हाथ रे किस्मत की मार, हाथ रे किस्मत की मार
बुत परस्त पिलाट के आग खडा उसको किया
सामने आधी के जस थरथराला इक दिया
पिलाट तो ठहरा नहीं पाया उसे कुसूरवार
कोई बजह मिल न पाई के बने वो गुनहगार
इसलिए भेजा मसीहा को हेरोडस के हुजूर
वो करेंगे फसला खुद देखकर इसका कुमूर
दिन के तीजे पहर ने डाली मसीहा पर नजर
जसे इक जल्मी परिदा या हो पतभर का शजर
ताज काटो का था सर पर सर था खू से तर बतर

क्रूस उठाए चल रहा था मौत की वाली डगर
 छह बजे नगा उसे बरके चढाया क्रूस पर
 जिस्म ज़रुमी था दुआ म पर झुका था उसका सर
 दिल का दहला द वा मज़र था मगर सब हस रह
 क्रूस पर लटके बसर पर फव्विमा थे कस रह
 एक इसा के लिए इमान का ऐसा मज़ाक
 डूबते मूरज का दिल तब हा गया था चाक़चाक
 नी बजे, छोडो मुझे, बोला मसीहा चीखकर
 बंद उसका मुह किया सिरके का कपडा ठूसकर
 मर गया आखिर मसीहा गृह गए थे लव खुले
 फट गई धरती की छाती मदिरो के दिल हिल
 काप उटठी थी चटानें इस घिनोने काम पर
 रात की आखें भी नम थी जादमी के नाम पर
 हडिडया भी तोड डाली ज़ालिमो ने रात को
 जुल्म की हद नोच डाला लाश के इव हाथ को
 टूटे बाजू से बहा कुछ खून था कुछ पानी था
 ज़ालिमो के वास्ते मज़मून था कहानी का

मा (आते हुए) जिन्दागी मा मौत का सवाल है। लेकिन
 हवलदार अभी भी हमारी मुनगा। उसे यह पता नहीं
 लगना चाहिए कि यह हमारा स्विस चीज ह। नही ता वह
 समझ जायेंगे हमने उसकी मदद की है। पैस की ही तो
 बात है। लेकिन पैसा कहा से आयेगा। ईबेटा नही आई ?
 रास्ते मे मिली थी। एव बूडे करनल के साथ थी। शायद
 वह उसे कटान खरीद दे !

शादरी तुम गाडी बेच दोगा ?

मा हवलदार को देने के लिए पसे कहा स लाऊ ?

शादरी जिन्दा कसे रहोगी ?

मा कुछ करुगी। (एक बूडे करनल के साथ ईबेटी जाती है।)

ईबेटी (मा को गले लगाकर) प्यारी दिलेर मा से फिर

मुलाकात। (धीरे से) उसन इनकार नहीं किया। (अचे) यह मेरे दोस्त है—मेरे कारोबार के सलाहकार है। मैंने सुना है तुम गाड़ी बेच रही हो। हालात कुछ ऐसे हैं इस खरीदने के बारे में सांच रही हू।

मा मैं इसको गिरवी रखना चाहती हू। बेचना नहीं। एसी कोई ज़ादी भी नहीं। लड़ाई के दिना में ऐसी दूसरी गाड़ी बहा मिलेगी ?

ईवेट्टी (निराश) सिर्फ गिरवी ? मैं समझती थी तुम बेचना चाहती हो। मुझे कोई दिलचस्पी नहीं। (करनल से) तुम्हारा क्या रयाल है जी ?

करनल तुम ठीक हो मेरी बुलबुल !

मा गिरवी रख सकती हू।

ईवेट्टी मेरा रयाल था तुम्हें पसंद की जरूरत है।

मा (मजबूती से) जरूरत तो है। लेकिन इसकी इस तरह बेचने की बजाय दूसरी पेशकश का इंतज़ार करूंगी। गाड़ी से हमारी रोटी चलती है। ईवेट्टी—तुम्हारे लिए यह एक खूबसूरत मौका है। कौन जान फिर कब तुम्हें दूसरा काराबारी सलाहकार मिले !

करनल ले लो ! ले लो

ईवेट्टी मेरे दोस्त का रयाल है, मुझे ले लेना चाहिए। लेकिन यह सिर्फ गिरवी रखने के लिए है तो मेरा इरादा खरूट दूसरा है। क्या रयाल है, मुझे खरीद लेनी चाहिये ठीक है न ?

करनल ठीक है मेरी कबूतरी, ठीक है।

मा फिर तो कोई बिकने वाली चीज़ ढूँडो। वकन जाने पर शामद तुम्हें मिल जायें, अगर तुम्हारा दोस्त हपता-दा हपता साथ घूम सके ता काम की चीज़ मिल भी सकती है।

ईवेट्टी हम किसी चीज़ की तलाश में घम भी सकते हैं। मुझे

घूमना बहुत अच्छा लगता है। तुम्हारे साथ घूमन में बहुत मजा आता है।

कनल

सच्च ?

ईवेटी

बहुत मजा आता है।

कनल

सच्च ? घूम सकती हो ?

ईवेटी

तुम पमा ला सको ता तुम कब तक पसा वापस करना चाहती हो ?

मा

दा हपता म शायद एक म ही

ईवेटी

मेरा मन नहीं मान रहा ए जो कुछ कहो ता

(कनल को एक तरफ ले जाती है।)

घबराओ नहीं उसका ब्रेचनी ही पड़ेगी। वह लेपटीनट।

वह मुन्हरे वाला वाला तुम जानत हो उसे। वह मुझे

रुपया उधार देगा। वह मेरे लिए पागल हो रहा है।

कहता है मुझे देख कर उसे किसी की याद आ जाता है।

तुम्हारा क्या स्याल है ?

कनल

अरे वो उससे बच कर रहना। वह अच्छा नहीं है।

मौके का फायदा उठायेगा। मैंने जो तुमसे कहा है कुछ

खरीद दूंगा कहा है न ?

ईवेटी

तुम्ह खरीदने नहीं दूगी।

कनल

खरीदन दो न। मेहरबानी होगी।

ईवेटी

अच्छा आप कहते हैं वह लेपटीनट मौके का फायदा

उठायेगा तब ता आपको इजाजत दनी ही पड़ेगी।

कनल

मरा भा यही स्याल है।

ईवेटी

ता फिर आपको इजाजत है।

कनल

शाबास मेरी बलबुल।

ईवेटी

(मा के पास आकर) मेरा दोस्त कहता है ठीक है। एक

रसीद लिख दो। दा हपते गुजर जान पर गाड़ी भरी हा

जायेगी। सब चीजा समेत। मैं एक बार गिनती करूगी।

दो सौ गिल्डर इतजार कर सकते है। (कनल से) तुम

कॉम्प म चलो । मैं आती हूँ । देखना पड़ेगा, गाडी से कुछ गायब न हो जाए ।

कॉर्नल ठहरो मैं तुम्हारी मदद करूँ ? जल्दी आना मेरी कबूतरी (जाता है)

मा ईवेटी ईवटी ?

ईवेटी जूते बहुत कम रह गये हैं ।

मा ईवेटी, गाडो तुम्हारी है या नहीं । यह सब देखने का वक़्त नहीं है । तुमने कहा था हवलदार से स्विस् चीज के लिए बात करोगी ? एक मिनट भी ज़ाया मत करो । एक घंटे तक वह कोट माशाल के लिए पेश हांगा ।

ईवेटी यह कमीज़ें एक बार गिन लूँ ।

मा (स्कर्ट से पकड़ कर नीचे खींचते हुए) डायन कही की । स्विस् चीज़ की जान जा रही है । यह मत बताना पसा किसने दिया है । तुम यह कहना, वह तुम्हारा प्रेमी है । नहीं तो उसको मदद करने के लिए हम सब घर लिये जायेंगे ।

ईवेटी मैंने एक आस वाले को भाड़िया म मिलन के लिए कहा है । वह आने वाला होगा ।

पादरी पूरे दो सौ मत द देना । डेढ़ सौ काफी रहेंगे ।

मा पसा तुम्हारा नहीं हूँ । इसलिए इस मामले में टाग मत अडाओ तो अच्छा है । तुम पर आच नहीं आयेगी । (ईवेटी से) अब भाग जाओ । सौदाबाजी मत करना । उसको जि दगी खतरे म है । (भगती है ।)

पादरी कहना तो नहीं चाहता पर तुम गुज़ारा कैसे करोगी ? बेकार का बाफ़ा यह बेटी भी सर पर है ।

मा मैं कश वाक्स पर आस लगाये बठी हूँ । उससे गिरवी छुड़वाऊंगी ।

पादरी तुम सोचती हा, वह मान जायेगी ।

मा यह लसक फायद की बात है । मैं दो सौ दगी नार मभे

गाड़ी मिलेगी। वह जानती है वह क्या कर रही है।
 बनल हमेशा उसके चक्कर म नही रहेगा। कथरीन !
 जाओ ! चक्कर पत्थर से चाकू साफ करा। और तुम भी
 ईमा की मूर्ति मत बन रहा। चलते फिरते नजर आया
 और वह गिलास माफ करे। पच्चास सवार आज रात
 यहा हंगे। और तुम कहोगे तुम्ह लडे रहन की आदन
 नहीं है। ' हाय मेरे पाव ! गिरजे म कभी मुझे ऐस भागना
 नहीं पडा। ' मेरा ख्याल है वह उसे छाड देंग। और खुदा
 का पुत्र करो, वह रिश्वत लेते हैं। भेडिय नहीं हैं—
 इसान हैं और दौलत के दीवान। महरवानी खुदा
 की रिश्वतकारी इसान की इस धरती पर ऐस ही
 उसका हुक्म चलता है। धरती पर भी और स्वग म भी।
 रिश्वत ही हमारा आखिरी सहारा है। जब तक रिश्वत
 है जज मेहरवान रहेंगे और हो सकता है निर्दोष बेचारे
 भी बच जाए।

ईवेटी (भागती आती है।) जल्दी करो, वह दो सौ मे मान
 जायेगे। एक पल मे पासा पलट जाता है। एक आख वाल
 को अभी बनल के पास ले जाना चाहिए। उहाने उसमे
 उगलवा लिया कि उसके पास कंग-बाक्स था लेकिन जब
 उसने उसको पीछे आते देखा तो नदी म फेंक दिया। वह
 तो गया। मैं भाग कर बनल से पैसा ले आऊ ?

मा कंग-बाक्स गया ? मुझे दो सौ कहा से मिलेंगे ?
 ईवेटी तुम सोच रही थी कंग बाक्स से लोभी। मैं तो डूब गई
 थी। कोई उम्मीद नहीं दिलेर मा। अगर तुम्ह स्विस चीज
 चाहिए। तुम्ह कीमत चुकानी पडेगी। या मैं सब कुछ
 छोड दू और तुम अपनी गाड़ी अपने पास रखो।

मा बिल्लाने की जरूरत नहीं। मैं ऐसा नहीं सोच रही थी।
 गाड़ी तुम्ह मिलेगी। तुम्हारी हो चुकी है सतरह बरस
 तक मेरे पास थी। सब कुछ इतना अचानक हुआ है। एक

मिनट मुझे सोचने के लिए चाहिए। मैं क्या कर सकता हूँ ? मैं दासों नहीं दे सकती। मुझे सौदेबाजों करनी चाहिए थी। मेर पास भी तो कुछ होना चाहिए, नहीं तो कोई भी ऐरा गरा मुझे ठोकर मार कर चलता बनगा। जाओ, उनस कहो मैं एक सौ बीस दूगी। नहीं तो मामला खतम समझो। गाड़ी ता फिर भी चली जायेगी।

ईवेटी मुझे पता है वह नहीं मानेंगे। एक आख वाला जल्दी में है। वह हर वक्त मुड़ मुड़ कर देखता रहता है। उनका पूरा दासों दे देना अच्छा न होता ?

मा (उतावली में) मैं नहीं दे सकती। मैं तीस बरस तक काम करती रही हूँ। वह पच्चीस बरस की हो गई है और शादी नहीं हुई। मेरा पीछा छोड़ो ! मैं जानती हूँ मैं क्या कर रही हूँ। एक सौ बीस नहीं ता बात खतम !

ईवेटी जमा तुम कहो ! तुम बहतर जानती हो ! (भाग जाती है।)

(मा आहिस्ता-आहिस्ता पीछे जाती है। धलट कर देखे बिना कथरीन साथ बठ कर चाकू साफ करने लगती है।)

मा गिलास मत ताड़ देना। यह हमारे नहीं हैं। ध्यान से काम करो ! हाथ मत बाट लेना। स्विंस चीज जा जायेगा। जरूरत पडी तो दो सौ दे दूगी। तुम्हारा भाई मिन जायेगा। अस्सी गिल्डर से हम कोई छक्का भर लेंगे और फिर नारोबार गुरू करेंगे। एक गाड़ी जान से दुनिया खतम नहीं हो जायेगी। क्यामत नहीं आ जायेगी।

पादरी बाईबल में लिखा है "खुदा जरूर देगा।"

मा मैंने कहा ना। अपनी चाच बंद रखो।

(खामोशी से चाकू साफ करते हैं अचोर्नक कथरीन रोती हुई गाड़ी के पीछे भाग जाती है। ईवेटी भागती हुई आती है।)

ईवेटी मैंने कहा था वह नहीं मानेगे। एक आग वाता उसी बदन वात मरतम कर रहा था। उमन कहा, वार्ड फायदा नहीं। अभी नगाडे की आयाज हागी जिसका मतलब होगा फसला हा गया। मैंन एक सौ पचाग तन कहा। यह बुत बना रहा। बडी मुश्किल से उसे राज कर जाई हू।

मा उस कहा म दा मौ दगी। भाग कर जाओ।

(भागती ह। मा घठती है। सामोगी। पादरी गिलास साफ करने से रुक जाता है।)

मरा म्याल है मैंने मौदेवाजी जरा ज्यादा हीं की है।

(दूर नगाडे की जायाज। पादरी खडा होकर पीछे की तरफ जाता है। मा बठी रहती है। जधेरा होता है। फिर रोशनो होती है। मा हिली नहीं।)

ईवेटी तुमने अपना मौदेवाजी का फल पा लिया न? ग्यो अपनी गाडी अपने पास। ग्यारह गोलिया लगी हैं उमनो। पता नहीं मैं क्या तुम्हारी परवाह करती हू। तुम इम दाबिल नहीं हा। मुझे पता चला है, उनका म्याल है कग वाक्स नदी म नहीं। यही है। और तुम्हारा भी इसम हाथ है। शायद वह उसे यहा लाएगे। यह देखेंग कि तुम उसे देख कर रो देती हो या नहीं। उसे मत पहचाना नहीं तो हम सब मारे जाएंग। और यह भी बना दू वह पीछे पीछे आ रहे हैं। मैं कथरान को दूर से जाऊ? (मा न का इशारा करती है।) वह जानती है? शायद उमने नगाडा सुना ही न हो। या मतलब न जानती हो।

मा वह जानती है—उस ले आओ।

(ईवेटी कथरीन को लाती है। वह मा क पास खडी हो जाती है। मा उसका हाथ पकड लेती है। दो आदमी एक स्ट्रचर पर चादर से ढकी कोई चीज लाते हैं। उनके साथ हथलदार है। स्ट्रचर नीचे रखते हैं।)

हथलदार यह एक आदमी है। मालूम नहीं बौन है। रिवाड ठीक

मया क्वचित् उग्रता नाम एव तस्या उद्भवेति । उग्र-
 तया मया तस्या या । मया—मया सुम् मया
 मयातया इति । (मो हकार वरती इति ।)

क्या ? युवा एव मया मयेना म फलन कर्त्तव्ये तदी
 मया । (मो हकार वरती इति ।)

मया इमं तो मया दात गच्छ म फलन दा । मया
 कर्त्तव्ये दा ते मयि त इति ।

(यत् स जात इति ।)

सीन चार

- (दिलेर मा अहम समझीते का गीत गाती है।)
(आफिसर के तम्बू के पास (बाहर) मा इतजार कर
कर रही है। एक मुग्गी भाकता है।)
- मुशी मैं तुम्ह पहचानता हूँ। तुम्हारे साथ एक प्राइवेट ट
सजाची था। तुमन छुपा रखा था। बहुत है शिकायत
मत करना।
- मा क्यों न करूँ। मैं बकुसूर हूँ। यूँ ही चली गईं तो मतलब
होगा मेरे दिल में चोर था। उन्होंने किरपानोस मरी
गाड़ी के चिपडे उड़ा दिए। ऊपर से पाच हैलर जुमाना
मागन लगे।
- मुशी तुम्हारा भला इसी में है, अपनी चोच बन्द रखो। हमारे
पास ज्यादा कटौन गाड़िया नहीं है। इसलिए हम तुम्ह
ध धा करने देंगे। खास तौर पर अगर दिल में चार रखा
और कभी कभी जुमाना देती रहो।
- मा मैं शिकायत पेश करूँगी।
- मुशी जसी तुम्हारी मर्जी। कप्तान साहिब को पुरसत होने तक
बठी रहो। (तम्बू में जाता है।)
- फौजी (तेजी से आता है।) ऐसी की तसी कप्तान की। कहा है
वह कृतिया की श्रीलाद। मेरा इनाम हड़प कर शराब और
रडिया पर खच कर रहा है। मैं उसकी टांगें चोर दूँगा।

बूढ़ा फौजी (उसके पीछे आकर) घरवास बदल करो। अभी घड़ियों में जकड़े नज़र आजोग।

फौजी बाहर निकला। डाक वहीं क। तुम्हारा हड्डी पनली एक कर दूंगा। मैंने अकेले तर कर नदी पार की और इनाम की रकम ये हटप कर गया। मैं अपने लिए एक बीयर भी नहीं खरीद सकता। निकना बाहर, तुम्हारे टुकड़े न कर दू तो नाम नहीं।

बूढ़ा मुन्ददस बाप यह अपने जापका तबाह कर लेगा।
फौजी मुझे जान दा नहीं तो तुम्हें भी ढेर कर दूंगा। जाजफमना होकर रहगा।

बूढ़ा मैंने एक बार कनल का घाड़ा मरन स प्रचाया था। बोट इनाम नहीं मिला। जवान खन है। नई भग्ना है।

मा जान दा इसका। यह कुत्ता सा है नहीं दिन बंद कर रखोग। इनाम मागन म क्या बगई है। नहीं नाम की क्या जरूरत ?

फौजी जाम पे जाम चढाय जा रहा है। तुम नच डालो हो। मैं महनत की है। इनाम चाहिए।

मा मेरे ऊपर मत चिल्लाओ नाउठो। मैंने जर्मियों से बतें ह। जावाज भी जग घेने से। कल के ज्ञान पर जहरत पडेगी। यह से चिल्लते हो ना जना बंद जाएगा—जीर जग कल के ज्ञान से तुम्हारा मुत्र में आवाज नहीं निकली। तुम्हारे डेकाने में कल के ज्ञान से जकडन की खुशा न है। कल के ज्ञान से जग के तक चीख नहीं पते। जग से जगदा जग के उसके बाद ना मैंने मुत्र में जगदा है। मैं ही थला क चट्टा है।

फौजी मैं एक हो थोड़ा जग से तुम्हारे मुत्र में जगदा नहीं होना। मैंने जगदा है। तुम्हारे मुत्र में जगदा है।

भाग दूंगा।

मा मैं समझ गई हूँ तुम भूखे हो। पिछले ही वरस तुम्हारे वमाण्डर न लूट का हुकम दिया था। तुम लोग लूट मार करते हुए बाजाग में निगल कर खेता में आ गए। फसल कुचली गई। अनाज बरबाद हो गया। उस समय अगर किसी के पास दम गिल्टर होने और भरे पास बेचन के लिए जूते तो मुझे दस गिन्डर मिल गए होते। फसल तो खत्म हो गई और वमाण्डर का इधर फिर जान की उम्मीद नहीं थी। लेकिन वह यहाँ है और भुखमरी भी है। मैं तुम्हारा गुस्सा समझ सकती हूँ।

फौजी तुम बेकार बड़बड़ा रही हो। मैं बेइन्साफी बरदाश्त नहीं कर सकता।

मा ठीक है। लेकिन क्या तब। क्या एक ? बड़साफी बरदाश्त नहीं होती ? एक घंटा या दो घंटे ? तुमने अपने आप से अभी तक नहीं पूछा—पूछा है क्या ? और जरूरी बात भी यही है। बँडिया में जकड़े जाना बहुत बर्नी मुसीबत है खास तौर पे जब तुम प्रंटिया में जकड़े जानें व बाद फमला करो कि तुम इन्साफ चाहते हो।

फौजी पता नहीं मैं तुम्हारी बखवास क्यों मुन रहा हूँ। बड़ा गब हो बखवास का कहा है वह ?

मा तुम जानते हो मैं ठीक कह रही हूँ। इसीलिए मुन रहे हो। तुम्हारा गुस्सा अभी से ठंडा पड़ गया है। थोड़ी देर का था। गुस्सा देर तक रहता चाहिए था लेकिन ऐसा गुस्सा कहा मिलेगा

फौजी तुम्हारा मतलब है इनाम मागना ठीक नहीं है ?

मा क्या नहीं ? मैं तो यह कहा, तुम्हारा गुस्सा बहुत देर तक नहीं रहेगा। जफमोस इस बात का है तुम गुस्सा में कुछ कर नहीं पाओगे। अगर तुम्हारा गुस्सा तेज होता, मैं तुम्हें और बड़ावा दती। मैं तुम्हें उससे टुकड़े कराने का

लिए कहती। लेकिन तुम उसके टुकड़े कर ही नहीं सकते। तुम्हे अपनी टागा के बीच दुम महसूस ही नहीं होती तो कहने का फायदा ही क्या? तुम बहा खड़े रहोगे और कप्तान मनमानी करता रहेगा।

बूढा
फौजी तुम ठीक कहती हो। यह तो पागल है।
ऐसा ही सही—देख लेना, मैं उसके टुकड़े करता हूँ या नहीं। (तलवार निकालता है।)

मुशी वह बाहर जाएगा, मैं उसे काट कर रख दूँगा।
(भाक कर) कप्तान साहब अभी आने वाले हैं। (फौजी अर्दाज में बैठ जाओ। (फौजी बठता है।)

मा और वह बठ गया। देखा—मैं क्या कहा था? तुम बठे हुए हो। वह हमारी रग रग पहचानते हैं। उनको मालूम है, कसे काम निकलवाना चाहिए। बठ जाओ' और हम बठ गए। बठने में कोई बगावत नहीं। फिर खड़े मत हाना। जैसे पहले थे वैसे तो कभी भी खड़े मत हाना। मेरे से शरमाने की जरूरत नहीं। मैं तुमसे बेहतर नहीं हूँ। हम सर उठा कर नहीं चलते—घ घे के लिए ज़ुद्धा नहीं हागा। सुनो—मैं तुम्हे 'अहम समझौता' के बारे में बताती हूँ—(गाती है।)

गीत

वा दिन थे जवानी के जमाना बहार का
खुद अपनी हुस्न मैं से मुझे ही खुमार था
मैं ऐंगरी गरी न थी कि दुनिया की करूँ फिक्र
मारा जमाना करता था सीरत का मेरी जिश
हर शम्स लिखा करता है खुद अपनी ही तकदीर
कानून कायदो का न हामी मेरा जमीर

पर एक चिडिया छत से जो बठी थी बोल उठी
 साल और एक दा की राह देख बावली
 होना पड़ेगा तुझका भी उनके ही हमकदम
 आएंगे साथ लेके वो बाजो की घमाघम
 सब लडखडान लगा वो आए, मेरे खुदा
 मालिक मेरे मुसीबता से तू ही अब बचा
 थोड़े दिनों के बाद ही मुझको भी आ गया
 कडवाहटा के बीच भी जीने का कायदा
 वसे तो जरूरी थे और भी बहुत से काम
 बच्चों की देख भाल रोटियों के बढ़ते दाम
 जब काम निकल जाए तो फिर पूछता है कौन
 तब लान घूसे मिलते हैं सहती हू रह के मौन
 फिर वही चिडिया छत पे जा बठी थी बाल उठी
 ले अब तो एक साल भी रहा न बावली
 होना पडा था उसको भी उनके ही हमकदम
 चल पडे साथ लेके वो बाजा की घमाघम
 सब लडखडाने लगा वा आए मेरे खुदा
 मालिक मेरे मुसीबता से तू ही अब बचा
 देखा है मैं आदमी को छोड़ते जहा
 क्या हाथ आया किसके बरू कसे मैं बया
 गिहृत हो तो अपना लो योगी का रास्ता
 छोडो भी, देखो ऊना से कितना है फायदा
 उनके लिए तो आसा है परबत भी उठाना
 मुश्किल है महा घास की इव टोकरी लाना
 वा एक चिडिया छत पे जा बठी थी बोल उठी
 साल और एक दो की राह देख बावली
 होना पड़ेगा सबको ही उनके ही हमकदम
 चल देंग साथ लेके वो बाजा की घमाघम
 सब लडखडान लगा वा आए मेरे खुदा

मालिक मेरे मुमीन्नता से तू ही अन्न बचा ।

मा इमीलिए कहती हूँ अगर तुम्हारे गुस्से में दम होता तलवार खींचे लड़े रही । अगर ज़रा भी कम है तो चुपचाप चलते बनो ।

फ़ीजी भाड़ में जाओ तुम सब । (जाता है बूढ़ा पीछा करता है ।)

मुश्की कप्तान माहब आ रहा है । शिकायत पेश करा
मा मरा डग़दा बदल गया है । मैं शिकायत पेश नहीं कर रही हूँ । (जाती है । मुश्की सर हिलाता देख रहा है ।)

सीन पाच

(दा बरस बाद । जग और इलाको मे फल गई है । गाडी चलते चलते पोलण्ड, भोराविया, बावेरिया, इटली और फिर बावेरिया से गुजरती है । १६३१ दितेर मा को चार फौजी कमीजो से लिपजिंग मे टिल्ली की फतह की कीमत चुकानी पडती है ।)

(जग मे बरबाद गाडी गाव मे खडी है । दून फौजी बाजे की आवाज दो सिपाही काउटर पर लडे हैं । दितेर मा और कथरीन उनको देख रही है । एक फौजी के कंध पर फर का काट है ।)

मा क्या कह । कीमत नही चुका सकते । पसा नही तो ब्राण्डो नही । वह फतह के बाजे तो बजा रहे ह । जवाना का ताखाह भी तो दें ।

प० सि० मुझे ब्राण्डो चाहिय । मैं लूट के लिए दर स पहुचा । कमाण्डर की सरामर बदनामी ह । उसने लूट के लिए सिफ एक घटे का समय दिया । कहता है मैं जालिम नहा ह । लगता है उस खरीद लिया है ।

पादरी (सडखडाता आता है ।) हरेली म और भी है । किसान का परिवार । मरी मदद करो कोई । मुझे कपडा चाटिए । (दूसरा सिपाही उसने साथ जाता है । कथरीन मा को कपडा निकाल कर देने के लिए उकसाती है ।)

- मा मेरे पास नहीं है। मैं अपनी सारी पट्टियाँ रेजिमेंट को बच दी हूँ। मैं उनके लिए अपनी जपमरा वाली कमीजें नहीं फाड़ूंगी।
- पादरी (घबराकर) मैंने कहा मुझे कपड़ा चाहिए।
- मा (कथरीन को गाड़ी में जाने में रोकते हुए) नहीं है। उनके पास कुछ है नहीं और वह देंगे भी नहीं।
- पादरी (औरत से जिसे उठा कर ला रहा है।) तुम लग गालाबारी में बाहर क्या रहें ?
- औरत हमारे खेत
- मा साचो यह लोग कभी कोई चीज जान देंगे ? और कीमत मुझे चुकानी पड़ेगी। ठीक है मैं तो नहीं चुकाऊंगी।
- प० सि० यह प्रोटस्टेंट है। लेकिन यह प्रोटस्टेंट क्यों है ?
- मा प्रोटस्टेंट या कैथोलिक हान सं क्या फर्क पड़ता है। सत्रसे बड़ी बात है उनके खेत गये।
- दू० मि० यह प्रोटस्टेंट नहीं—कैथोलिक है।
- प० सि० गालाबारी के समय हम चुनाव नहीं कर सकते।
- किमान (पादरी के साथ आते हुए) मेरा बाजू गया।
- पादरी कपड़ा कहा है ? (सब मा को देखते हैं। वह हिलती नहीं है।)
- मा नहीं दे सकती। और सब कुछ जो देती हूँ। टकम ड्यूटी, घूस। (कथरीन एक बोर्ड लेकर मा की घमकाती है) तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है। फेंक दो—नहीं तो अभी सबकुछ सिखाऊंगी—पागल बही की। मैं कुछ नहीं दूंगी। मुझे अपनी फिक्कर भी तो है। (पादरी उसको उठाता है। गाड़ी से कमीजें निकाल कर पट्टियाँ बनाता है)
- मेरी कमीजें मेरे जपमरा की कमीजें (मकान से एक बच्चे के रोने की आवाज आती है।)
- किसान बच्चा अभी तक यही है। (कथरीन भाग कर जाती है)
- पादरी (औरत से) रुक जाओ—वह ला रही है।

- मा उसे रोको ! मकान की छत गिर जायेगी ।
- पादरी म वहा वापस नही जाऊगा ।
- मा (दोनों तरफ ध्यान है) जरा आराम से—मेरा कपडा कीमती है । (दूसरा सिपाही उसे रोकता है । कथरीन बच्चे को खडहर से बाहर लाती है ।)
- बडा लो बोझा एक जोर बच्चे का ! बहुत खुश हा रही नोगा । अभा दे दा इसकी मा का नही ता इस लन के लिए घटा तुमसे भगटा करना पडेगा । बहरी हा क्या ? (सिपाही से)
- यहा खडे मुह क्या बना रहे हा । जाआ उनको वाजा बढ करन के लिए कहो । उसके बगर ही हम उनकी फतह की खबर मिन गई है । तुम्हारी फतह से मरा घाटा हा घाटा है ।
- पादरी (पट्टी बाधते हुए) खून बह रहा है । (कथरीन लोरी गुनगुनाते हुए बच्चे को खिलाती है ।)
- मा इस तबाही बरबादी म उसे ब्रुलब्रुल की तरह चहकना सूझ रहा है । बच्चा दे दा मा का ! (पहला सिपाही बोतल लेकर भागने की कोशिश मे है ।)
- खुदा की मार तुम पर हरामखोर ! बोतल उडा कर एक जोर जीत बढाना चाहते हो । माल निकाला, माल !
- प० सि० मरे पास कुछ नही है ।
- मा (फर का कीट छीन कर) यह कोट यहा छाड दा । फिर लूट का माल तो है ही ।
- पादरी अभी भी काई ज दर है !

सीन छ,

(बावेरिया के इनगोलस्टड शहर मे दिलेर मा हारे हुए कमाण्डर दिल्ली के जनाजे पर हाजिर है। जगो हीरो और जग के वक्त के बारे मे बातचीत होती है। पादरी बेकारी की शिकायत करता है। कयरीन को लाल जूते मिलते हैं। १६३२)

(क टीन के तम्बू का भीतरी हिस्सा। पीछे एक काउटर। बारिश। दूर भातमी धुन तथा नगाडे की आवाज। पादरी और मुशी बीसर खेल रहे हैं। मा और बेंटी हिसाब किताब कर रही हैं।

पादरी
मा

जनाजा उठने ही वाला है।

अफसोस होता है कमाण्डर की किस्मत पर—बाईस जोडे जुरावे और ऐसी मौत। कहते है मद था। बेता पर धुध छाई थी। उसी का दोष है। कमाण्डर दूसरी रेजीमट मे गया और उनको अत तक लडन के लिए ललकारा। वापिस आ रहा था। धुध म भटक गया। पीछे मुडन की बजाय आग बढ गया। भरी लडाई मे एक गोली से भिड गया—चार लालटेनें बाका रह गई है। (सीटी की आवाज। मा काउटर तक जाती है। सिपाही से) शम की बात है। तुम कमाण्डर के जनाजे से कनी बतरा रहे हो। (शराब देती है)

मुशी जगाजे स पहले उह पमानही वाटना चाहिय था। अब सभी वहा जान की वजाय नश म धुत्त हा रहे हैं।

पादरी तुम्ह भी ता वहा हाना चाहिय था।

मुशी मैं गारिग की वजह स रग गया।

मा तुम्हारी बात और है। गारिग स तुम्हारी बर्दी नराव हो जायगी। सुना है उहान गिरजा म घटिया वजान की वागिग की थी नेकिन उम कमाडर के टुकम स सब गिरजे बंद कर दिय गय थे। बचारा कमाडर बंदर म उतरते बकन घटियो की जावाज नही सुन सवेगा। उमका वजाय गोलिया दागी जायेंगी। मौके की सादगी ता खत्म हा ही जायेगी। चमडे की सालह पटिया।

एक आ० बरा एक प्राणी

मा माल निवालो पहल। अर अरे—तम्बू म मत आआ। कीचड भरे जता स ज दर भाना चाहते हो। गारिग हो या सूखा—बाहर सडे रह कर पी सकते हा। मैं सिफ अफसरो का अदर जान देती हू। (मुशी से)

मैंन सुना है जाखिरो दिना मे कमाडर की हालत पतली थी। यह भी सुना है उसने दूसरा रजाम वाले की तन खाह भी मार नी थी। उनम कहा था यह धम की ज गहै। मुफत लडो। (मातमी धुन। सब पीछे देखते ह।)

पादरी अब वह जनाजे के पाम से गुजर रह है।

मा मुझे एक कमाडर या शहनशाह पर रहम आता है। हो सकता है उसके दिन मे कोई बात हो। कोई बात जिसका चचा बरमो तव रहे। जिसके लिए उसके युत बनायें जायें। एक कमाडर की इच्छा हाती है कम से कम दुनिया की फतह। या खुदा बिस्कुटो म चीटे पड गए ह—बात को बात वह एडी चोटी का जार लगा दता है और काई आवारा किरम का आम सा आदमी जो एक गिनास

वीयर या थोड़े-सी दोस्ती की खाहिश रखता ह। मर जिसे जिन्दगी की ऊंची उड़ाना से काई मतलब नहीं—सत्र चौपट कर देता ह। ऊचे इरादे हमेशा एमे लोगा क छोट पन की बजह से टूट जाने हैं। जिहान उस पूरा करना होता है। गहनशाह भी अकेले कुछ नहीं कर सकते। उनको भी सिपाहिया और अपन गुर्गों की मदद लेनी पडती है। ठीक कहा ना

पादरी जब तक तुम सिपाहिया तक नहीं पहुँची तब तक ठीक थी। उनक बस में जिनना होना है बरत है। जब इन्ह देखो ! बारिश में खड़े पारह है। मेरी तबीयत फौजी जफर बनने की गही हुई फिर भा म कह सकता हू, यह लोग सी प्रस तक लड सकन ह—एक के बाद एक जग। हो सके ता एक ही बरत में दो दा भी।

मा चमड़े की सतरह पेटिया—तो तुम्हारा खाल है जग बदन भी हो।

पादरी एक कमांडर मर गया इसलिए ? बच्चो जसी बातें मत करा। छ पेंस फी दजन के हिसाब से मिलते हैं और वह भी हीरा छाप।

मा मैं बहस के लिए नहीं पूछ रही थी। मैं साच रही थी, म और सामान खरीदू या गही। जाजबल चीजें सन्ती ह और अगर जग बदन हो गया तो मुझे बेजार फेंकनी पडेंगी।

पादरी मैं तुम्हारी दुविधा महसूस कर रहा हूँ दिलर, ऐस लोग भी है जो यह कहते हैं कि एक रोज जग खत्म हो जायगी। मेरे खाल में यह बताना मुश्किल है जग कभी खत्म हागी कि नहीं। हो सकता है कभी सास लेने के लिए रुक जाय। दुघटना भा हा सकती है क्याकि अस जमीन पर कोई चाज पूण नहीं। एसी जग जो बिलकुल दम तोड चुकी हो शायद ही कभा हा। पहले से ही सब कुछ मोच नहीं सकते।

नजर चूय सकती है और जग अचानक रुक जाती है और गड़े म जा गिरती ह और सीच कर बाहर निकालनी पडती है । और बाहर निकालन वाला शहशाह हाता है या पोप ! जग का फिकर नही करनी चाहिए क्यक्ति समय पर काम आने वाले यह दोस्त सलामत हैं । उसका भविष्य शानदार ह ।

सिपाही गाता है

सैनिक एक ही जाम म भरपूर पिला दे साकी, जाम प जाम चलो,
वक्त नही है बाकी
मा तुम्हारा बात पर यकीन कर लू तो
पादरी खुद सोचो ! जग कमे खत्म हा सकती है ?

सिपाही गाता है

सैनिक इतनी फुमत है कहा हम शहसवारो के पास, जाम है इक
हाथ मे इक हाथ मे घोडे की रास
मुशी अमन म क्या देर दार है । मैं बोहम्या का हू । कभी कभी
वहा जाने को दिल करता है ।
पादरी तुम जाना चाहते हो हू ? अमन बेचारा पनीर का
टुकडा खतम हो जाता है तो सूरख कहा जाता है ।

सैनिक (पीछे से)

उठ तो साकी जल्दी कर अब वक्त इतना है नही ज्वार
है जवान जब तक पहुचना है लाजिमी अब अदाए छोड
मैं कुर्बान हू इक जाम पे तय है, मरना मुझको अपन
हुकमरा के नाम पे

मुशी
पादरी

आखिरकार तुम अमन के बगैर नहीं रह सकते ।
 मैं तो कहूँगा कि जग म भी अमन होता है । जग मे अमन
 के पडाव आते हैं । जग सबकी जरूरियात पूरी करती है—
 अमन की भी । नहीं तो जग चल ही नहीं सकती । अमन
 की तरह जग मे भी तुम भ्रपकी ले सकते हा । दो लडाइया
 के बीच बीयर पी सकते हो । माच धरते हुए या खदक
 मे पडे हुए नीद ले सकते हो । बुद्ध न कुछ तो हो ही जाता
 है । हमले के वक्त ताश नहीं खेल सकते वह तो अमन
 मे हल चलाते हुए भी नहीं खेल सकते । फतह होने पर ही
 फुसत की उम्मीद होती है । टाग म गोली लगती है । खूब
 शोर मचाते है जैसे कोई मोर्चा मारा हो । थोड़ी देर के
 बाद ठडे पड जाते हैं । ब्राण्डो पीते हा और कूदन लगते
 हो । इस आफत से जग जमादा भयानक नहीं हो जाती
 लूट मार के बाजार मे तुम फल फूल नहीं सजते । काडियो
 के पीछे रेंगती हुई जग की पदावार बच्चो की सूरत मे
 मिल जाती है और चलती रहती है । जग भी प्यार की
 तरह है । रास्ता निकाल ही लेती है । यह खत्म क्या
 होगी ?

(कथरीन फाम छोडकर पादरी को देखने लगती
 ह ।)

मा फिर तो मैं वह माल खरीद ही लूँगी । (कथरीन गिलासा
 धाली टोकरी जमीन पर पटक कर भाग जाती ह । मा
 हसती ह ।)

कथरीन ! भरे खुदा ! कथरीन अभी भी अमन का इत-
 जाग कर रही है । अमन होते ही उसकी शादी का वादा
 किया था मैंन ! (पीछे जाती ह ।)

मुशी यह माल ! अब पस चुकाओ । (उठ जाता
 ह ।)

मा (कथरीन के साथ आती ह) जरा सोचो ! जग थोड़ी देर

बीर चलेगी, हम घोड़ा पैसा और कमा लेंगे फिर अमन और भी अच्छा लगेगा। जाओ तुम शहर जाओ और गाल्डन लाइन से सामान लेकर आओ। आठ-दस मिनट लगेंगे। महंगी महंगी चीजें लाना। गाड़ी हम बाद में भी भर सकते हैं। मुशी तुम्हारे साथ जायेगा। सिपाही लोग कमाडर के जनाजे पर हैं। तुम्हें कुछ नहीं होगा। होशियारी से आना, कुछ गुम मत कर देना। दुल्हन के लिवास के स्यालो में मत खो जाना। (कचरीन सर पर कपड़ा बाधती है। मुशी के साथ जाती है।)

पादरी मुशी के साथ जाने पर तुम्हें कोई एतराज नहीं ?

मा यह इतनी खूबसूरत नहीं जो उसे कोई भगा ले जाए !

पादरी तुम जिस ढंग से दुकानदारी करती हो, वह भी कामयाब दुकानदारी, वह काबिले तारीफ है। इसीलिए तुम्हें दिलेर मा कहते हैं।

मा गरीबों को ही दिलेरी की जरूरत हाती है। क्योंकि वह भटक जाते हैं। बहुत बड़ी बात है जो वह अपने गमा के बावजूद सुबह उठ जाते हैं। या वह इस जग के जमाने में खेती करते हैं। उनकी दिलेरी ही तो है कि जि दगी में कोई उम्मीद नहीं फिर भी बच्चे पैदा करते हैं। एक के बाद एक की फासी पर लटकाना पड़ता है या ढर की मूरत में काटना पड़ता है। ऐसी हालत में एक दूसरे का सामना करना हो तो उसके लिए भी हिम्मत चाहिये ! एक तरफ पोप, दूसरी तरफ शहनशाह—दोनों को बदरित करना बड़ी दिल-गुदों की बात है। जान देनी पड़ती है उनके लिए। (पाईप पीने लगती है।) थोड़ी सी लकड़ी ही चीर लो !

पादरी (किभक ! फोट उतारता हुआ।) देखा जाए तो मैं रूहों का रखवाला हूँ—लकड़हारा नहीं।

मा . लेकिन मेरे पास तुम्हारी रखवाली में देने के लिए कोई

- । यह नहीं है। और लकड़ी की मुझे जरूरत है।
- पादरी यह छोटा-सा पाईप कैसा है तुम्हारे पास ?
- मा पाईप है।
- पादरी मेरा खयाल है यह खास किस्म का पाईप है।
- मा अच्छा ?
- पादरी यह बाबर्ची का पाईप है।
- मा जानते हो इधर उधर की क्यों हाँक रहे हो ?
- पादरी पता नहीं, तुम्हें मालूम भी है तुम क्या पी रही हो। हो सकता है तुम अपनी चीजें देख रही थी। तुम्हारी जगलिया पाईप से टकरा गई और तुमने ऐसे ही बेख्याली में उठा लिया।
- मा तुम्हें कैसे मालूम ऐसे नहीं हुआ ?
- पादरी तुम तो जानती हो ऐसे नहीं हुआ है।
(जोर से कुल्हाड़ी मारता है।)
- मा जानती हो तो क्या हुआ ?
- पादरी तुम्हें चेतावनी दनी पड़ेगी दिलावर ! हो सकता है उस आदमी को तुम कभी न देखो। यह दुख की नहीं खुशी की बात है दिलेर मा ! वह मुझे विश्वास के काविल कभी नहीं लगा। वजाए इसके कि
- मा सच कितना अच्छा आदमी था
- पादरी उह हूँ ! ऐसे आदमी को तुम अच्छा समझती हो ? मैं नहीं।
(लडकी पर कुल्हाड़ी मारता है।)
- मैं उसकी बुराई नहीं करना चाहता लेकिन उसे अच्छा आदमी भी नहीं कहूँगा वह धोखेवाज है। एक चालाक लोमड़ी जसा। यकीन न हो तो पाईप को ही एक नजर देख लो पूरी कहानी कह देगा !
- मा मुझे तो कोई खास बात दिखाई नहीं देती। पुरानी जरूर है।

पादरी, बीच में काटा हुआ है। वह आदमी बहुत दुष्ट है। यह बहुत खतरनाक आदमी का पार्ट है। अगर ज़रा भी अक्ल बाकी है तो तुम खुद देख सकती हो।

(जोर से कुल्हाड़ी चलाता है।)

मा लकड़ी को बीच में मत काटो
पादरी मैंने कहा नहीं मैं लकड़ी काटना नहीं जानता। रूहो को रखवाली मेरा पेशा है। मेरी तालीम का बहुत गलत इस्तेमाल हुआ है। यह गुनाह है कि जिस्मानी काम में खुदा की दी हुई ताकत का सही इस्तेमाल नहीं कर सकता। तुमने मुझे नसीहत करते हुए नहीं सुना। मैं एक ही तकरीर से एक रेजीमेट में ऐसी रूह फूक दू कि उनके लिए दुश्मन सिर्फ भेड़ों का एक झुण्ड रह जाए और आखिरी जीत के रूयाल में उनका जीवन बेकार फेंके जाने वाले जूता से ज्यादा कीमती न हो। खुदा ने मुझे जुवान की ताकत बन्धी है। मैं तकरीर के जोर से तुम्हारे होश उड़ा दू।

मा मेहरबानी करो। मुझे नहीं उठवाने अपन होश। उनके बग़र मैं क्या करूँगी ?

पादरी दिलेर मा—अक्सर मोचा करता हूँ तुम्हारी इस रूखी जुवान के पीछे एक दिल भी छिपा है। तुम इसान हो और तुम्हें गमजोशी की जरूरत है।

मा इस तम्बू को गम करने का बेहतरीन तरीका है डेर सारी लकड़ियाँ काट दो।

पादरी तुम बात बदल रही हो। मज़ाक छाड़ो। कभी-कभी सोचता हूँ, जग का अनोखी हवा ने हम इकट्ठे ता कर ही दिया है। क्या न हमारा रिश्ता और मज़बूत हो जाए ?

मा पहले कम मज़बूत है क्या ? मैं तुम्हारा साथ बनाती हूँ। तुम मेरा हाथ बटाते हो लकड़ी काटकर।

पादरी (कुल्हाड़ी से पास जाकर इंगारा) तुम जानत हो,

नजदीकी रिश्ते से भेगा, क्या क्या मतबल है। खाने लकड़ी काटने और ऐसी दूसरी जरूरतों से इसका कोई वास्ता नहीं। दिल की बात कहो।

मा यू बुल्हाडी मत सहाराओ। रिश्ता जग पयादा ही नजदीक हो जाएगा।

पादरी हसी की बात नहीं है। मैं सच कह रहा हू। मैंने इस बारे में खूब सोचा है।

मा अबल के नाखून लो पादरी मिया। मैं तुम्हें पसन्द करती हू इसलिए घबकती आग तुम्हारे सिर पर नहीं डालना चाहती। मैं सिर्फ खुद को और अपने बच्चों को गाड़ी के साथ निकाल ले जाना चाहती हू। यह गाड़ी अकेली मेरी नहीं है। और फिर निजी जिन्दगी शुरू करने का मेरा कोई इरादा भी नहीं। कमाण्डर मर गया है और सब तरफ अमन की चर्चा है। ऐसी हालत में यह माल खरीद कर बहुत बड़ा खतरा मोल ले रही हू। अगर मैं बर्बाद हो गई तो तुम कहा जाओगे। बोलो? कोई जवाब नहीं। अब थोड़ी सी लकड़ी चीर डालो। एक शाम गम हो जाए ऐसे वक्तों में यह भी बात है—यह आवाज कैसी थी? (मा खड़ी हो जाती है। कथरीन पासल, चीजें, डोल आदि खींचकर ला रही है। उसके माथे पर जहम है।)

यह क्या हुआ? किसी ने हमला किया? वापसी पर जरूर किसी ने हमला किया है। मेरी शराब से गुट होने वाला सिपाही ही होगा। तुम्हें जाने नहीं देना चाहिए था। सामान रख दो जहम गहरा नहीं है। अभी पट्टी कर देती हू। हफ्ते भर में ठीक हो जाएगा। जानवर कहीं के।

(पट्टी बाँधती है।)

पादरी मैं उनको भुरा नहीं कहता—घर पर वह कभी ऐसी शर्मनाक हरकतें नहीं करते। इसके जिम्मेदार वह जगबाज

हैं जो छुपी हुई बुराईया को सह देने हैं ।
 मा मुशी तुम्हारे साथ घापस नहीं आया ? उसने साचा होगा तुम एक शरीफ इज्जतदार लडकी हो—तुम्हें कुछ नहीं कहेंगे । ज़रम गहरा नहीं है । कभी नज़र नहीं आएगा—तो पट्टी बंध गई अब आराम करो तुम्हारी पसंद की एक चीज़ है मेरे पास एक राज, अब तक छुपाए हुए थी । देखागी ?

(थले से इँवैरी के जूते निकालती है)

देखा क्या है ? लेना चाहती थी ना ले ला ।

(जूते पहनाती है)

जल्दी पहन लो । नहीं तो मुझे अफसोस होगा क्यों दिए ।

पहन लो । यह नज़र नहीं आयेगा । आय भी तो क्या ?

जिसको वह पसंद करते हैं, उनकी किस्मत बहुत खराब

होती है । जब तक वह खत्म नहीं हो जाती, उनको खींचते

फिरते हैं । जिस लडकी की परवाह नहीं करते, उसे छोड़

देत है । मैं बहुत लडकियाँ देखी हूँ । आती हैं तो खूबसूरत

होती है । अचानक ऐसी मूरत बदलती हैं जिसे देखकर

भेड़िया भी डर जाय । उनकी कहानी बहुत ददनाक होती

है । जैसे पेड़ ऊँचे लम्बे पेड़, छतों के शहतीर बनाने के

लिए काट लिए जाते हैं और जो टेढ़े मेढ़े होते हैं वह बच

जाते हैं । इस तरह यह ज़रम एक तरह की खुशकिस्मती

है । जूते ठीक हैं ? रखने से पहले मैंने अच्छी तरह

चमकाये थे ।

(कंधरीन जूते छोड़कर गाँडों में चली जाती है ।)

(उसके जाने के बाद) वह बदमूरत तो नहीं हो जायेगी ?

दाग तो रह जायगा । उसे अब अमन का इतज़ार करने

की ज़रूरत नहीं ।

उसने कोई चीज़ नहीं जाने दी ।

मा मुझे शामद ऐसी बात नहीं करनी चाहिये थी । पता तो

चले, उसके मन में क्या है। एक बार वह रात भर बाहर रही। इतने बरसों में सिर्फ एक बार। मुझे आज तक पता नहीं चला, उस रात क्या हुआ ? काफी देर तक मैं मगज-पच्ची करती रही।

(कैथरीन की फँकी हुई चीजें उठाती है और गुस्से से उनको अलग करती है।)

एक बात है। जग में आमदनी अच्छी होती है।

(तोप की आवाज।)

पादरी अब वह कमण्डलू को क्रेझ में उतार रह है। तारीखी लम्हा ।

मा मेरे लिए तारीखी लम्हा वह था जब उन्होंने मेरी बेटी को ज़रमी किया। उस बेचारी की शादी कैसे होगी अब ?

और वह धक्को के लिए पागल है उसका गूगापन भी जग की देन है। जब वह छोटी सी थी, एक सिपाही ने कुछ उसके मुँह में डाल दिया था। सविस् चीज गया। खुदा जाने ऐलिक कहो है। लानत है जग पर ।

सीन सात

(मां का व्यापार तरबकी पर (एक रास्ता)

पावरो, मा और कयरीन गाड़ी खींचते हैं। नए-नए बर्तन लटक रहे हैं। मां चांदी के सिक्कों की माला पहने हुए है।)

मा जग को ताने मत दो। कमजरो को खत्म कर देती है तो क्या हुआ। अमन उनके लिए क्या करता है। जग खिलाती तो अच्छा है—

(गाती है)

जग अगर होगी तो होगी बस की बात नहीं है

जीत के समय तुम भी होगे ये हालात नहीं हैं

सहू का कारोबार है जग।

सहू का कारोबार है जग ॥

एक जगह रहने में कोई फायदा नहीं। जो घर पर रहते हैं वह पहले मरते हैं।

(गाती है)

घर में घुस कर छुप रहने से यारो कुछ ना होगा

जो कायर हैं उनको भर से बाहर आना होगा

क्याहिण तो कितनी होती है और कितनो के पास
 सेमिन बृद्ध के पास नहीं रहता मोर्द्द अहसास
 कितनो ने छोदे हैं गड्ढे बडी होशियारी से
 खुद ही जाना पडा उही गड्ढो में लाचारी से
 पढे क्रम मे जो हैं उनसे पूछो जल्दी क्या थी
 पढे क्रम मे जो हैं उनसे पूछो जल्दी क्या थी
 (गाइरी चलती रहती है ।)

सीन आठ

(१६३२। इसी बरस लुतजेग की लडाईं मे स्वीडन का शाह गस्टावस अडोलफस मर गया। अमन दिलेर मा को बर्बादी की घमकी दती है। एलिफ जखुरत से ज्यादा बहा-बुरी दिखाता है और शमनाक अजाम तक पहुचता है।)

(एक कम्प गर्मियो की सुबह। गाडी के सामने एक बूढी औरत और बेटा जो परो की बोरी घसीट रहा है।)

मा (गाडी के अन्दर) तुम्हे सुबह सुबह ही आना था क्या।
लडका हम रात भर चतते रह है। बीस मील का सफर है।
मा लोग के पास सर छुपान की जगह नही हैं। बिछौने के परो का क्या करूगी।

लडका एक वार देख तो लो।

बूढी यहा भी कुछ नही हागा—चलो चलें—
लडका और टक्सो के लिए वह हमारे सर की छत भी उखाड कर चलते बनें। वगन इसमे डाल दो तो शायद तीन गिल्डर दे ही दे (घटियो की जावाज) कुछ सुना मा।

आवाज अमन हो गया—स्वीडन का बादशाह मर गया।
मा (बिखरे बाल—सर बाहर निकालकर) घटिया। यह घटे के दरम्यान घटिया किसलिए।

पादरी (गाडी के नीचे निकल कर) वह चिल्ला क्या रहे है।
लडका अमन हो गया।

पादरी : अमन—

मा ऐसे मत बोलो भाई। मैं इतना सारा नया माल खरीद कर लाई हू।

पादरी (पीछे की तरफ आवाज) अमन हो गया है क्या ?
आवाज कहते हैं तीन हफ्ते पहले जंग बंद हो गई। मैंने तो अभी सुना है।

पादरी : नहीं तो यह घटिया किसलिए बजाएंगे।
आवाज सुथर भक्तो की एक भीड़ अभी अभी गाड़ियों पर आई है। वह खबर लाए है।

लडका अमन हो गया मा (बेहोश हो जाती है) क्या हुआ।
मा (गाड़ी में जाकर) कैथरीन उठो। अमन हो गया अमन। कपडे पहनो। स्विस् चीज की याद में हम चच जा रहे हैं। यहा कुछ हो सकता है क्या।

लडका लोग तो यही कहते हैं जंग बंद हो गई। तुम उठ सकती हो। (बूढ़ी हैरान सी उठती है) मुझे विश्वास है हमारी काठियो की दुकान फिर चल निकलेगी। सब ठीक हो जाएगा। बापू को उसका विस्तर लौटा सकेंगे। चल सकती है ना। (पादरी से) अमन होने की खबर सुनकर लगता है। घबरा गई है। बापू कहा खरते थे अमन हो जाएगा। मा को कभी विश्वास नहीं हुआ था। हम वापस घर जा रहे हैं (जाते हैं)।

मा (अदर) उसे थोड़ी ब्राडी दे दो।

पादरी वह चले गए है।

मा (अदर) उधर कम्प न क्या हो रहा है।

पादरी इकट्ठे हो रहे हैं। लगता है सब खतम हो गया। मैं पादरी का चोमा पहन लूँ।

मा बहतर है पहले सही खबर मालूम कर लो और यमूह की खिलाफत का खतरा मोख लो। मैं बरबाद हो गई हूँ फिर भी अमन होने की। सुनी है। कम से कम मेरे दो बच्चे ता

- जग से बच गये। अब मैं अपने एलिफ को फिर से देख सकूंगी।
- पादरी कैम्प की तरफ से कौन आ रहा है। यह तो स्वीडिश कमांडर या वावर्ची है।
- वावर्ची (उलझा हुआ। एक बडल के साथ) कौन है भई, भरे पादरी साहब।
- पादरी दिलावर मा, एक मेहमान आया है (बाहर आती है।)
- वावर्ची मैंने वायदा किया था जब भी वक्त मिलेगा गणगण के लिए आऊंगा। मैं तुम्हारी ब्राडी कभी नहीं भूला, मिसेज फियरलिंग।
- मा या खुदा। कमांडर का वावर्ची इतने बरसों के बाद। मेरा सबसे बड़ा बेटा एलिफ कहा है।
- वावर्ची अभी यहा नहीं आया ? वह तो, कल ही चल पडा था।
- पादरी मैं अपना चोगा पहन ही लू। अभी आया (गाडी के पीछे जाता है।)
- मा फिर तो आता ही होगा (गाडी की तरफ आवाज) कथरीन, एलिफ आ रहा है। वावर्ची के लिए ब्राडी का एक गिलास लाओ।
(कथरीन नहीं आती है) बाल सीधे करो और चली जाओ। मिस्टर लेम्ब कोई अजनबी नहीं है (खुद ब्राडी बेती है) वह नहीं आई ना। अमन उसके लिए बेकार है। बहुत देर से आया। इन्होंने उसे आख पर चोट मारी। नज़र तो नहीं आती। मगर इसका ख्याल है लोग उसे घूर रहे हैं।
- वावर्ची - जी हा। जग—जग—(दोनों बठते हैं।)
- माँ वावर्ची तुम बहुत बुरे वक्त पर आए हो। मैं बर्बाद हो गयी।
- वावर्ची अरे। यह तो बहुत बुरा हुआ।
- माँ अमन ने मेरी गदन तोड़ दी है। पादरी के कहन पर मैंने

बहुत सारा माल खरीद लिया। अब हर, कोई भाग रहा है और बच्चा मेरे पल्ले ।

वावर्ची तुमने पादरी की बात कसे मान ली। कैथोलिक बहुत तेजो से आए थे, मेरे पास वकल नहीं था, नहीं तो उसके बारे में तुम्हें होशियार कर जाता, यह तो डोंगा है लगता है इधर ज़रा बड़ा आदमी बन गया है।

मा बतन्-वतन साफ कर देना था और गाड़ी खींचने में मदद करता था।

वावर्ची गाड़ी खींचता था ? वह ? मुझे यकीन नहीं है। उसने तुम्हें अपने लतीफे ज़रूर सुनाए होंगे। औरतो के लिए उसका बर्ताव बहुत ही खराब है। मैंने उसे सुधारने की काशिश की लेकिन बकार। वह मज़बूत नहीं है।

मा तुम मज़बूत हो ?

वावर्ची मैं और कुछ होऊँ या न होऊँ मज़बूत ज़रूर हूँ।

मा मज़बूत। यहाँ सिर्फ एक ही आदमी आया जो मज़बूत था। उन दिना जितनी जान मारी मैंने की है उतनी कभी नहीं कर्नी पड़ी। उसने वहार के मौमम में बच्चों के कम्बल उतरवा कर बेच दिए और मेरा बाजा भी वह मिमटान नहीं लगता था। तुम अपने आपका मज़बूत कह कर अपनी सिफारिश तो नहीं कर रहे हो।

वावर्ची तुम जी तोड़कर लड़ती रही हो। मुझे अच्छा लगता था।

मा यह मत कहना तुम मेरे जी तोड़ सपन देखते रहे हो।

वावर्ची चलो जान दो। हम यहाँ बैठे हैं। अमन की घटिया वज्र रही है। तुम साकी वनी अपनी भण्डार ब्राडी डाल रही हो। अपन ही अदाज से।

मा अमा की घटिया जायें। मुझे तो यह समझ नहीं आता, वह इतन महीना की तनट्वाह कसे देगा। और फिर मैं और मेरी भण्डार ब्राडी कहा हागी। तुम सबका तनट्वाह मिल गई है क्या।

- बावर्ची (भिन्नक कर) पूरी तो नहीं। इसीलिए तो हम सब भाग लिए। मैंने सोचा हालात ऐसे हो तो रुकने का क्या फायदा। क्यों न कुछ दोस्तों से मिल लू। इसीलिए यहाँ बँठा हूँ। तुम्हारे पास ।
- मा यह बोलो न—तुम फक्कड़ हो।
- बावर्ची (घटियों से नाराज़) उनको अब यह तमाशा बंद करना चाहिए। मैं कोई धधा शुरू करना चाहता हूँ। मैं बावर्ची-पन से तग आ गया हूँ। मुझे पेडा की जूँ और बूटो का चमड़ा पकाने के लिए मिलता था और वह गम गम सूँप मेरे मुँह पर दे मारते थे। आजकल बावर्ची होना कुत्ते से बदतर है। मैं जल्दी ही नौकरी में छुटकारा पा लूँगा लेकिन अब तो अमन हो गया (पादरी पुराना कोट पहने आता है) हम फिर कभी बात करेंगे।
- पादरी ठीक-ठाक है। बस टिड्डियों न छेद कर दिए हैं।
- बावर्ची समझ में नहीं आता तुम क्यों तकलीफ करते हो। तुम्हें दूसरी नौकरी तो मिलेगी नहीं। क्या तुम किसी को शरा-पत की जिदगी गुज़ारने या किसी काम के लिए जान देने को उकसा सकोगे। और फिर तुमसे एक ऋगड़ा भी निपटाना है।
- पादरी ऋगड़ा निपटाना है।
- बावर्ची हा। तुमने एक औरत को यह कहा कि जग कभी नहीं हागी और उसे बेकार माल खरीदने की सलाह दी।
- पादरी (गुस्सा) तुम्हें इससे मतलब।
- बावर्ची मतलबवात है तुम जबदस्ती सलाह देते हो। और दूसरे लोगों के धधे म टाग अडात हो।
- पादरी मैं जानना चाहूँगा अब कौन टाग अडा रहा है (मा से) मुझे मालूम नहीं था तुम इस ज्ञात शरीफ की इतनी नज़दीक हो और हर बात के लिए उससे जवाब देह हो।
- मा जान में मत आओ। बावर्ची अपनी राय दे रहा है। तुम

इस बात से तो इन्कार नहीं कर सकते तुम्हारी जग धुध जसी थी। धुधलका थी।

पादरी तुम्हें अमन का नाम यूँ नहीं लेना चाहिए। दिलावर मा, मत भूलो तुम मँदाने जग को लकडबग्घा हो।

मा क्या हूँ ?

वावर्ची अगर तुम मेरी दोस्त की बेइज्जती करोगे तो मरे साथ मुकाबला करना पड़ेगा।

पादरी मैं तुम से बात नहीं कर रहा। तुम्हारी नीयत शीशे की तरह जाहिर है (मा से) लेकिन जब मैं तुम्हें अमन को एक सडे हुए खमाल की तरह उछालते हुए देखता हूँ तो मरी इसगनियत बगावत कर देती है। इस से यह साबित होता है कि तुम्हें अमन नहीं, जग चाहिए। तुम क्यों इस हकीकत से बचना चाहती हो। यह मत भूलो शैतान के साथ बठवर खाना है तो हाथ भी लम्बे होने चाहिये।

मा पिंजरे में बंद लोमड़ी ने दूसरी से क्या कहा, अगर तुम वहा, बाहर खड़ी रहोगी तो मुमीबत में पड जाओगी। जग से मेरा नाता टूटा नहीं है और अगर मैं लकडबग्घा हूँ तो तुम्हारी दोस्ती खत्म।

पादरी जब सभी सुख का सास ले रहे ह तो फिर अमन के नाम पर यह ची ची बयो। क्या यह गाडी में पडे कवाड के लिये है।

मा मेरी चीजें कवाड नहीं हं। मेरी जिंदागी है। तुम उही पर जिंदा रहे हो।

पादरी यह एक ठोस हकीकत है तुम जग के सहारे जिंदा रही हो।

वावर्ची तुम बडे आदमी हो। लोगो को बेतार सलाह देने की बजाय तुम्हें कुछ सोचना चाहिए (मा से) इस से पहले कि कीमते पटकर कुछ भी न रह, बेहतर होगा कुछ चीजा से जल्दी छुटकारा पा लो। तयार हो जाओ और चल

- वावर्ची देखो ईवेटी—कोई हगामा नहीं ।
 मा यह मेरा दोस्त है ईवेटी ।
 ई० यह पीटर पाईपर है ।
 मा क्या ?
 वावर्ची मजाक छोडा । मेरा नाम लेम्ब है ।
 मा (हसतें हुए) पीटर पाईपर औरता को पागल कर देता था और मैं तुम्हारा पाईप रख छोडा ।
 पादरी और पीया भी ।
 ई० खुशकिस्मती से यह तुम्ह इसके खिलाफ चेतावना दे सकती हू । यह बहुत घुरा है । इस से बडा बदमाश नहीं मिलेगा । इसने अनगिनत लडकियो को मुमीब्रत में डाला—
- वावर्ची बहुत पहले की बात है । अब मैं ऐसा नहीं हू ।
 ई० खडे हाकर औरतो से बात करो । हाए, मैं उस आदमी को कितना प्यार करती थी । और वह टेढी मढी टागो वाली सावली सी लडकी लिए हुए था । उस को भी इसन बर्बाद कर डाला ।
- वावर्ची लगता है तुम्हारे लिए तो खुशकिस्मत ही रहा हू ।
 ई० खामोश रहा, बदमाग । तुम भी होशियार रहना दिलेर मा । ऐसे लाग मरते मरते भी खतरनाक हात है ।
 मा (इ० से) मरे साथ आओ । कीमतें गिरन से पहले इस मास से छुटकारा पाना जरूरी है ।
 ई० (वावर्ची को देखती हुई) लफगे शतान !
 मा शायद तुम फोजी दफतर म मेरी मदद कर सको । तुम्हारा रसूख है ।
 ई० रडीबाज ।
 मा (चिल्ला कर) कंधरीन, गिरजा का प्रोग्राम खतम । मैं बाजार जा रही हू ।
 ई० चुन्चे—बदमाग ।

- मा (कंधरीन सँ) एलिफ आये तो उसे कुछ पाने देना ।
- ई० तुम्हारे जसा आदमी मुझे सीधे रास्त ले जा : गुन है मेरी किस्मत अच्छी थी जिस मे मैं क गई । लेकिन अब तुम्हारी नहीं चलेगी पीटर एक दिन आयेगा जब इस से बेहतर ज़िदगी इनाम देगा, चलो दिलेर मा (जाते हैं) ।
- पादरी आज सुत्रह ही धम ग्रथ मे देखा था । खुदा के अधेर नहीं । और तुम मेर लतीफा की शिका थे ।
- वावर्ची मैं बहुत बदकिस्मत हू । साफ साफ कहू, भू था, यहा गम गम खान की उम्मीद से आया था मेरे बारे में बातें कर रही होगी । मेरा त्य आने से पहले ही मुझे चल देना चाहिए ।
- पादरी नव रयाल है ।
- वावर्ची पादरी, इससे मुझे चिठ होती ह । हम गुनाह है । इसानियत की जाग मे जल कर खाक ब जाते । काश मैं कुछ कर पाता ।
- वावर्ची कमाडर के लिये एक मोटा ताजा मुर्गा भून खुदा जाने वह अब कहा होगा । सरसा की च छोटी छोटी पीली गाजरें ।
- पादरी लाल गोभी के साथ मुर्गे मुर्गे के साथ लाल ग
- वावर्ची तुम ठीक कहते हो । लेकिन वह हमेशा प मागता था ।
- पादरी वेवकूफ था ।
- वावर्ची तुम बहुत कुछ भूल जाते हो ।
- पादरी प्रोटेस्ट के दौर पर—
- वावर्ची कुछ भी कहो, यह तो मानना पडेगा वह दि थे ।

- पादरी हा यह तो मानना पड़ेगा ।
- वावर्ची तुमन उसका लकडवग्घा कहा है । तुम्हारा भविष्य भी ज्यादा शानदार नहीं है । धूर धूर कर क्या देख रहे हो ?
- पादरी एलिफ आ रहा है (दो सिपाहिया के साथ जाता है, हाथ बंधे हैं, सफेद रंग है ।) तुम्हें क्या हुआ ?
- एलिफ मा कहा है ।
- पादरी शहर गई है ।
- एलिफ उठाने बताया वह यहा है । आखिरी मुलाकात की इजाजत मिली है ।
- वावर्ची (सिपाहियों से) इसे कहा ले जा रहे हा ।
- सिपाही सफर पर । (दूसरा सिपाही गला काटने का इशारा करता है ।)
- पादरी क्या किया है इसने ।
- सिपाही इमने एक किमान पर हमला किया है और उसकी बीबी को मार दिया है ।
- पादरी एलिफ तुम उसा कर सके ?
- एलिफ नई बात नहीं थी । पहले भी मैंने ऐसा ही किया था ।
- वावर्ची वह जग का जमाना था ।
- एलिफ बकवास था । मा के खाने तक मैं बठ सकता हू ।
- सिपाही नहीं ।
- पादरी सच है जग के जमाने मे दराबी इरजत जफ्जाई की गई थी । कमाटर के साथ दायां तरफ बैठा था । जज से बात नहीं कर सकते क्या ?
- सिपाही क्या फायदा होगा । किसान के मवेशी चुरान म क्या बहादुरी ।
- वावर्ची सरागर बेवकूफी थी ।
- एलिफ मैं बेवकूफ होता तो भूखा मर गया हाता खालाक लोमड़ी होगियारबास ।
- वावर्ची ठीक है तुम अवनमद थे और उसरी कीमत चुका दी

तुमने ।

- पादरी कम से कम कथरीन का ता बाहर लाना चाहिए ।
 एलिफ उसे मत बुलाओ । थोड़ी सी ब्राडी दे दो ।
 सिपाही नहीं ।
 पादरी तुम्हारी मा से क्या कह ?
 एलिफ कह दया किया कुछ नहीं था । पहले जमा ही था । नहीं,
 कुछ मत कहना । (सिपाही से जाते हैं ।)
 पादरी मैं तुम्हारे साथ चलता हूँ—मैं ।
 एलिफ मुझे पादरी की जरूरत नहीं ।
 पादरी न मही । फिर भी मैं आता हूँ । (पीछे जाता है ।)
 वावर्ची (पीछे आवाज देता है ।) वह उस मिलना चाहेगी । उसे
 बताना पड़ेगा ।
 पादरी तुम उमे कुछ मत बताना । नहीं तो कह देना वह आया
 था । फिर वापस आयेगा, शायद कल तब तक मैं वापिस
 आ जाऊंगा और खबर सुना दूंगा ।
 (तेजी से जाता है । वावर्ची उसे जाते देखता है सर हिलाता
 है । परेशान सा इधर उधर घूमता है । आखिरकार गाडी
 के पास जाता है ।)
 वावर्ची सुनो ! तुम बाहर नहीं आओगी । तुम जमन से दूर भागना
 चाहती हो न । मैं भी—मैं स्वीडिश कमांडर का वावर्ची
 हूँ । याद है ? मैं साच रहा था तुम्हारे पास कुछ खान का
 होगा, तुम्हारी मा के इतजार में गोश्त का एक टुकड़ा
 भी चलेगा । या गीटी ही हो । जरा बकत कटी हो जायगी ।
 (आकता है ।) वह तो सर पर बम्बल ओढ़े पड़ी है (तोप
 की आवाज ।)
 मा (सात चढी—सामान उठाये भागती आती है ।) वावर्ची,
 अमन उडन छू हो गया । जग फिर शुरू हो गई तीन दिन
 स चल रही है । खुदा का गुन्र है मैंने माल बचा नहीं ।
 शहर में लूथर भगतों के साथ गोलाबारी का मुकाबला

घुर्नु हो गया है। हमको गाडी समेत निक्कल भागना चाहिये। कथरीन सामान बाध लो। तुम क्या सान रह हो काई बात है क्या ?

बावर्ची नहीं ता।

मा कुछ तो है। तुम्हारा चहरा कह रहा है।

बावर्ची जग फिर घुस् हा गई है न। इमीलिय। बल शाम तक चलती रहे। मेरे पट म कुछ तो जायेगा।

मा तुम मुझे बताना नहीं रह।

बावर्ची एलिफ आया था। उस फिर बापिस जाना पडा।

मा वह आया था ? फिर ता माच के बबत उसे देखेगे। कसा लगता था ?

बावर्ची वसा ही।

मा वह कभी नहीं बदलेगा। और जग उसे नहीं दृष्टप सकी।

वह होगियार है। सामान बाधन मे मरी मदद करो (कहती है।) उमन कुछ कहा ? कप्तान के साथ उसकी निभ रहो है न ? अपनी बहादुरी के कारनामे भी सुनाये ?

बावर्ची उसन वसा ही कारनामा फिर किया है।

मा अच्छा ठीक है बाद म बताना (कथरीन आती है।) कथरीन। अमन खत्म हो गया। अब हमे फिर घूमना पडेगा। (बावर्ची से) तुम्ह क्या हो गया है।

बावर्ची मैं भरता हो जाऊंगा।

मा अच्छी बात है। पादरो कहा है ?

बावर्ची शहर एलिफ के साथ

मा थोड़ी देर हमार साथ रहो, मुझे कुछ मदद चाहिये।

बावर्ची वह खेटी का मामला—

मा मेरी नजर मे तुम्ह कोई नुकसान नहीं पहुचा। बल्कि इसक उलट ही हुआ, कहते है जहा आग होती है वही धुआ होता है। तुम आजाग ?

बावर्ची जरूर आऊगा।

मा बारहवीं रेजीमेण्ट चल पडी है, चलू काठी म तुम्हारे साथ ।
 शायद दिन डूबने तक एलिफ को देख सकू । अमन
 दर का तो नहीं था, हमे शिकायत नहीं होनी चा
 चलो चलें । (बावर्ची और कथरीन काटो में ।)
 (मा गाती है ।)

उल्म से भेटत्स तक
 भेटत्स से म्यूनख तक
 य दिलेर मा तो साथ
 देखती रहेगी ये जग के
 जग सबका देती है
 जग को तो चा
 सुनो सिफ

सीन नौवा

(मसहब की बडी लडाई १६ बरस तक चली है ' जमन की आधी आवादी खत्म हो गई । जो जग मे बच गये, प्लेग मे मर गये । कभी के लहलहाते खेतो मे भूख नाच रही है । गहर कस्बे जला दिये गये हैं । खाली गालियो मे भेडिये घूमते हैं । १६३४ की बहार मे हम दिलावर मा को देखते हैं जो स्वीडिश फौज के रास्ते से दूर नही है । सर्दी जल्दी आ गई है और तेज है । काम धधा मदा है । सिफ भीख मागना रह गया है । बाबर्ची को यूट्रेच से खत मिलता है । और वह चला जाता है । एक अधजले गिरजे के सामने । सर्दी की शुरुआत, ठडी सुबह, हवा के भोके । मा और बाबर्ची गाडी पर गदें कपडो मे ।)

वावर्ची

कही भी रोशनी नही—ऊपर काई नही है ।

मा

लेकिन गिरजा है । पादरी अपना मखमली विस्तर छोड कर घटी बजायेगा । फिर वह गम गम सूप पीयगा ।

वावर्ची

उस कहां से मिलेगा । तमाम गाव भूख का गिकार है ।

मा

मकान मे जाई रहता है, कुता भौंक रहा था ।

वावर्ची

पादरी के पास कुछ होगा ता उससे चिपका रहगा ।

मा

अगर हम उसको गाकर सुनायें तो—

वावर्ची

वस बहुत हुआ । (अचानक) मैंन तुम्हे बताया नही । यूट्रेच से एक खत आया है । मेरी मा हैजे से मर गई । सराय

मेरी है। यकीन न हा तो यह खत है। तुम्ह दिखाता हू। मेरी चाची मेरा इतजार कर ही है। और मेरे उतार चढाव से तुम्हें काई मतलब भी नहीं।

मा (पढते हुए) लेम्ब मैं भी इम आवारागर्दी से तग जा गई हू। लगता है मैं कसाई का कुत्ता हू जो गाहको के गोशत ले जाता है और खुद उसे कुछ नहीं मिलता। मेरे पास बेचने के लिए कुछ नहीं और लागा के पास खरीदन के लिए किसी ने दा अडो के लिए कितवा के डेर मेरे हवाले करने की कोशिश की और एक जगह ता नमक की एक थली के लिए मुझे अपना हल द देते। वेता मे उगते है मिफ काटे और भाडिया। मैंने सुना है कही तो लोग अपन छोटे बच्चे को खा गये। एक पुजारिन टाका डालती हुई पकडी गई।

बावर्ची दुनिया गव हो रही है।

मा कभी कभी लगता है मैं जट-नुम म ईबन बेचती हुई रूहो का सामान बाटनी फिरती हू। काइ तो एसी जगह मिले जहा गोलावारी न हो। मैं जार मेर बच्चे जो भी रह गये है दो पल आराम कर लें।

बावर्ची हम दोनो यह सराय खोल सकते है। मैंने तो फंमला कर लिया है। तुम चलो या न चलो मैं तो यूटेच जा रहा हू और आज ही।

मा मुझे कथरीन स बात करन दो। कुछ अचानक ही हालात बदल रहे हैं आर मैं भी इतनी सर्दी मे त्वाली पेट कोई फसला नहीं करना चाहती। (कंथरीन गाडी से बाहर आती है।) कथरीन, तुम्हे कुछ बताना है मैं और बावर्ची यूटेच जाना चाहती हैं। इसका वहा सराय मिली है। तुम वहा ठीक से रह मवोगी, जो- लागा न पहचान हागी। बहुत स लोग एक रतब वाली सडकी को अपनाने को तयार हांगे, जाहिरी मूरत हो मय कुछ

नहीं है। बावर्ची से मेरी खूब पटती है। यह मैं कहूँगी व्यापार के लिए इसका दिमाग चलता है। खाने को फिकर नहीं होगी, ठीक है न। तुम्हारा अपना बिस्तर होगा। क्या ख्याल है इस बारे में। रास्ते की खिदगी भी कोई खिदगी है। किसी वक़्त भी मारी जाऊँ, बीड़े-मकाड़े खा जाऊँगी। हम अभी फसल करना है नहीं तो स्वीडियों के साथ उत्तर का जाना पड़ेगा। वह उधर ही बही होंगे। (बायीं तरफ इशारा) मरा ख्याल है कथरीन, हम जाना चाहिए।

बावर्ची ऐना, मैं अबेने तुमसे एक बात करना चाहता हूँ।

मा कथरीन, तुम अदर जाआ। (जाती है।)

बावर्ची मैं तुम्हें टांग रहा हूँ क्योंकि कुछ गलतफहमी है। ऐना मैं एकदम नहीं कहना चाहता था लेकिन कहना पड़ेगा अगर तुम उसे साथ ला रही हो तो मुश्किल होगी। समझ रही हो न। (कथरीन भाक कर सुन रही है।)

मा तुम्हारा मतलब है कथरीन को छोड़ जाऊँ।

बावर्ची तुम्हारा क्या ख्याल है। मराय में जगह नहीं है। ऐसी बड़ा नहीं जहाँ तीन काउंटर होते हैं। अगर हम दोनों हिम्मत करें तो गुजारा चल सकता है। लेकिन तीन ज्यादा हूँगी। कथरीन को गाड़ी दे दो।

मा मैं सोच रही थी शायद सूटकेस में हम उसे छाविद ढूँढ दें।

बावर्ची मजाक मत करो। उस चोट के निशान के साथ, उस बूढ़ा का, गूगी को—

मा ऊँचा मत बोलो।

बावर्ची ऊँचा या नीचा जा है सो है। यह एक और बजह है जिसके लिए मैं उसे सराय में नहीं रख सकता। ग्राहक हर वक़्त ऐसी सूरत को देखना पसंद नहीं करते इन्हीं उनका कोई कुसूर नहीं।

मा चप रहा। मैं तुम्हें कहा न इतना ऊँचा मत बोली।

मावर्ची गिरजे मे रोशनी हो रही है, अब हम गा सकते हैं ।
 मावर्ची व अकेले गाडी कैसे खीच सकती है । जग स
 वह दहल जाती है, वह डरावने सपने देखती है, म राता
 को उसका भिनभिनाना सुनती ह । खासतौर पर लडाइया
 के बाद । मैं नही जानता वह सपनो मे क्या देखती है ।
 खाली रहम से भी उसे तकलीफ हाती है । एक दिन मन
 उसके पास एक खरगोश देखा जो हमसे ही कुचला गया
 था ।

मावर्ची सराय बहुत छोटी है । (आवाज देकर) हजूरे अनवर जीर
 खिदमतगारो, हम अब आपको वादशाह सुलेमान, जूलि
 यस सीज़र और दूसरी बडी हस्तियो के गीत सुना रह है
 जिनका जजाम अच्छा नही हुआ । आप अदाजा कर
 सकेंगे हम कानून के पाबंद है । और बडी मुश्किल से
 बकन बटी कर रहे है । खासतौर पर ऐसे सद मौसम मे ।

(गाता है)

आप तो वाकिफ ही हाग काविल बुजुग सोतामन
 आपन तो देखा ही हागा तवारोख का दरपन
 उसने इस दुनिया के बारे मे जो सोचा कम था
 कासा था उस घडी को उमने जिसम वो जनमा था
 ये सब झूठ है चिल्ला चिल्लाकर ये उसने कहा था
 पर थोडो ही दर बाद सबको ये पता चला था
 उसकी इसी समझदारी ने बार किया था उस पर
 नही आपके पास अगर ये है तो समझो चहतर

जसा कि हमारा गीत बताता है इस दुनिया मे सूबिया
 बहुत खतरनाक हाती है । आप उनके वगैर ही भले है ।
 जिदगी अच्छी है, नाशता मिलता है गरम सूप भी हा
 सक्ना है । मुझे ही देखिये मैं एक ऐसा आदमी
 कुछ नही मिला । लेकिन खाहिये बहुत

मिपाही हूँ लेकिन उन सभी लडाइयों में मेरी बहादुरी
किस काम की। बहतर होता मैं अपनी पतलून गीली कर
लेता और घर पर रहता, क्याकि—

गाना

और बहादुर सीज़र का भी हाल है दया भाला
सया उसका जीत जी ही सुदा था वा डाला
उसी का जिस्म उहान बाटी-बोटी म काटा था
'ध्रूटस तुम भी कहत कहत उसका दम टूटा था
उसकी इस जाबाजी न ही बार किया था उस पर
नही आपके पास अगर य है तो समझो बहतर

(जाहिस्ता) बाहर भाकत भी नही। हज़ूरे अनवर और
साहिवान जो भी अदर है। आप कह्य। नही। हिम्मत
बह श नही जिससे पट भगता है। ईमानदारी को आजमा
कर देखो बह रात के खाने के बराबर होगी। कुछ न कुछ
तो असर होगा ही। चलो देखत हैं—

गाना

और कही सुकरात के बारे म क्या बोला जाए
उसका बील यही था जो भो हो सच वाला जाए
आप सोचते है लागो ने इसका मिला दिया था
लोगो ने उसके प्याले में जहर मिला दिया था
उस पर था इल्जाम कि वो लागो का भग्माता है
सच और सिफ सच ही सुनना रास कहा जाता है
इस ईमानपगस्ती ने बार किया था उस पर
नही आपके पास अगर य है तो समझो बेहतर

माना हमें कहा जाता है इन्सान को खुदगज नहीं होना चाहिये। जो हो बाट कर खाना चाहिए। लेकिन जब हा ही न तो क्या करें। जो बाटते हैं उनकी हालत भी बहतर नहीं होती। सब को बाट बाकी बचता ही क्या है। वारज होना बहुत कीमती गुण है। लेकिन बेवार—

गाना

मार्टिन जो खुदगज नहीं था आप जानते होंगे
 नहीं जख्मरन पूरी वो कर सा मानते होंगे
 बफ में मिले शरूत को अपना आघा वोट दिया था
 एवज में इसके दोनों ने बफन ही जोड़ लिया था
 उसकी इस दिलदारी ने ही वार किया था उस पर
 नहीं आपके पास अगर ये है तो समझो बेदतर

ऐसा ही होता है हमारा साथ। हम कानून पसंद लोग हैं। अपने आप में रहते हैं। चोरी नहीं करते, बल्ल नहीं करते, आग नहीं लगाते। इस तरह हम गहराइयां म डूबते चले जाते हैं और हमारा गीत सही साबित होता है और सूप भी नहीं मिलती। अगर हम झलग होते। अगर हम चोर व कातिल होते, हम भर पट खा सकते। भलाई से कुछ नहीं मिलता। थुराई से ही जो चाहो ले ला। एसा जमाना आ गया है।
 होना चाहिए क्या—

गाना

देख रह हैं आज का हालत और आदमी आम
 जो मन से माना करत है खुदा के दग अशराम
 आप यहा बटे मस्ती में बिछा के गम ५

मदद की जि-हें जरूरत है कुछ उनका करें खयाल
इसी खुदा के खीफ ने लेकिन वार किया था उन पर
नही आपके पास अगर ये ह तो समझो बेहतर

आवाज (ऊपर से) अरे और ऊपर आओ। तुम्हारे लिये कुछ सूप है।

मा लेम्व में कुछ खा नही पाऊगी। जा कुछ तुमने कहा है वह गलत तो नही है लेकिन यह तुम्हारा आखिरी पसला है। हमने हमसा एक दूसरे को समझा है।

वावर्ची हा एना। सोच लो फिर से।

मा फिर से सोचने के लिये कुछ नही है। मैं उसको यहा नही छोडूंगी।

वावर्ची बेवकूफी करोगी। लेकिन क्या कर सकता हू। मैं जालिम नही हू लेकिन क्या करू सराय बहुत छोटी है। अब हमे ऊपर जाना चाहिए, नही तोयहा भी कुछ नही रहेगा और हमारा इस सर्दी मे गाना बेकार जायगा।

मा मैं कथरीन को बुलाती हू।

वावर्ची उमके लिए जेव मे कुछ डाल कर ले जाना अच्छा होगा। तीनों को देखकर चकरा जायेंगे। (जाते हैं।)

(कथरीन एक बडल के साथ बाहर आती है। देखती है दोनो चले गये हैं कि नहीं। फिर वह मा की एक स्कट और वावर्ची की पतलून साथ साथ पहिये पर लटकाती है जो मजूर आ सके। वह काम करके बडल उठा कर चलने को है। दिलेर मा आती है।)

मा (सूप की प्लेट के साथ) कथरीन। रुक जाओ कथरीन। बडल के साथ कहा जा रही हो? (बडल देखती है,) इसने ता अपनी चीजें बाध ली। तुम सुन रही थी। मैंने उसे बता दिया ऐसा नही चलेगा। वह अपनी सराय और यूट्रेच रखे अपने पास। हम भला उस गद्दी सराय का क्या करेंगे (पतलून और स्कट देखकर) तुम बिल्कुल

पागल हो कैथरीन। मैं तुम्हें जाते हुए न देखती ता क्या होता। (कथरीन जाने की कोशिश करती है। उसे पकड़ कर) यह भी मत समझना मैंने उसे तुम्हारी वजह से जाने दिया है। गाटा की वजह से। हम दो जुदा नहीं हो सकती जैसे मरा अग बन गयी है। तुम रुकावट नहीं थी। यह गाडी थी। हम चल रह है। वावरची की चीजें हम यहा छोड देगें। वह खुद ही ले लेगा,। वेवकूफ आदमी (ऊपर जाकर पतलून के साथ की दो चार चीजें फेंकती है) लो उसकी नौकरी खत्म। आसुरी आदमी जो मेरे धर्मे मे शरीक हुआ। चलो अब चलें। मैं और तुम काठी मे आ जायें। दूसरी सर्दियों की तरह यह सर्दी भी गुजर जायगी।

(गाडी मे जुत जाती है। घुमाती है और चल देती हैं। हवा फा झोका। वावरची कुछ चवाता हुआ आता है। चीजें देखता है।)

सीन दस

१९३५ का सारा साल मा और कथरीन मध्य जमनी की सटरा पर गाडी खीचती घूमती है पहले से भी ज्यादा खस्ता हाल । फाज । वा बिरस्ता । (एक रास्ता) मा और कथरीन गाडी खीच रही हैं । वह एक खुशहाल फाम हाउस के पास आती है । कार्ड अदर गा रहा है ।)

गाना

माच महीन मे हमने बगिया म जा बाया था
इन नहा सा बीज कोख म धरती के सोया था
आज हमारी बगिया म गुलाब का फूल खिला है
हमने जो मेहनत की थी ये उसका सिला मिला है
वो सचमुच खुशकिस्मत है जिनके गुलाब खिलते है
किस्मत वालो को ही ये हमीन ताहफे मिलत है
मौसम के बफानी भाके जब जमीन नापेंगे
पेडा के नोकीले पत्ते थर थर कापेंगे
खर हम तो फिर नहीं मौसम न कुछ कर पाए
हमन अपने घर काई के छप्पर से है छाए
बफानी मौसम म छप्पर छाई जिसकी छत
सचमुच वो खुश किस्मत है खुश किस्मत है खुश किस्मत
(दोनो गुनने के लिये रुक गयी थी । अब फिर चल
देती हैं ।)

- ले० म कह रहा हू खामोश रहो। जरा भी आवाज हुई तो सिर तोट दोग। हमे शहर का रास्ता दिखावा वाला कोई चाहिए। (नौजवान किसान की तरफ इशारा) तुम इधर आओ।
- नौजवान मुझे कोई रास्ता मालूम नहीं है।
दू० मि० (चिढ़ा कर) इस रास्ता मालूम नहीं है।
नौजवान मैं कथोलिक की मदद नहीं करता।
ले० इसका जरा अपनी कमर में बर्छी का मजा लेन दो।
नौजवान (घुटनो के बल बर्छी गले पर) मार दो मुझे।
दू० सि० (चिढ़ाकर) मार दो मुझे।
प० सि० मुझे मालूम है इसका इरादा कैसे बदलेगा। (तबेले की तरफ जाता है।) दा गाय और एक बल। अगर तुम रास्ते पर नहीं आओगे तो मैं तुम्हारे मवेशी मार दूंगा।
- नौजवान मवेशी नहीं।
बूढ़ी श्री० मवेशी छोड़ दो कप्तान साहब, नहीं तो हम भूखा मर जायेंगे।
ले० अगर इसका दिमाग ठीक न हुआ तो ?
प० सि० मरा खाल है म बल में गुरू करता हू।
नौजवान (बूढ़े से) जाना पड़ेगा। (बूढ़ा हा का इशारा करता है।) मैं चलूंगा।
- बूढ़ी श्री० गुत्रिया कप्तान साम्त्र, बहुत बहुत गुत्रिया। आमीन।
(बूढ़ा जादमी उसे गुत्रिया करने से रोकता है।)
प० सि० मैं जानता था बल काम आयेगा। (नौजवान के साथ तीनों जाते हैं।)
- किमान न जान क्या बात है। अच्छी बात तो होगा नहीं।
श्रीरत हा सकता है स्काउट हा। तुम क्या कर रहे हा ?
किसान (छत के साथ सोड़ी लगाकर चढते हुए) मैं दल रहा हू वह अकेल हैं या नहीं (छत पर) चारा तरफ हलचल है। हथियार नजर आ रहे है। ताप भी है। एक रजीमेंट से ज्यादा ही हांग। खुदा शहर क लागा पर रहम करे।
- श्रीरत शहर में रोगनी है ?
किसान नहीं। वह मय साथ हुए हैं। (नीचे जाता है।) हमना हागा और सब बिम्बरा म बतल कर दिय जायेंगे।
- श्रीरत चौकीदार उनको हाशियार कर देगा।

किसान इ होने पहाडी वाले मीनाग के चौकीदार को मार दिया होगा। नहीं तो वह अब तक नगाडा बजा देता।

औरत हमारे साथ अगर और लोग हों—

किसान हम ता अकेले हैं इस अपाहिज के साथ।

औरत हम कुछ नहीं कर सकते हैं क्या ?

किसान कुछ नहीं—

औरत हम अंधेरे में बहा जा भी नहीं सकते।

किसान पूरी पहाडी के दामन में वह फँसे हुए हैं।

औरत हम इशारा ता कर सकते हैं—

किसान वह जान में मार देंगे।

औरत नहीं हम कुछ नहीं कर सकते। (कथरीन से) दुआ करो अभागी, दुआ करो। हम इस खून खराबे का रोकन करने लिये कुछ नहीं कर सकते। तुम बोल नहीं सकती दुआ ही करो। और कोई सुने न सुन वह तो सुनता है। मैं तुम्हारी मदद करूँगी। (सब झुकते हैं। कथरीन पछे ह।) ऐ आस मानो मे रहने वाले मुक्कद्दमवाप, हमारी इल्लतजा सुनो शहर में बफिकरी का नीद सोने वालो की तवाह मत होन दो। उनको जगा दो। वह दीवारो तक जाय और दुश्मन को देखें जो हर पहाडी के दामन में और खेतों में आग और तलवार लिये रात के अंधेरो में बढ़ता चला आ रहा है। (कथरीन से) खुदा तुम्हारी मा की हिफाजत करे और चौकीदार को सोन न दे। बहुत देर होन से पहले ही उसको जगा द। हमारे दामाद की भी हिफाजत कर। वह अपन चार बच्चों के साथ बहा है। वह भी खतम न हो जाय वह मासूम है, कुछ नहीं जानते। (कथरीन से जो सिसक रही है।) एक तो दो दरस का नी नहीं। सबसे बडा सात बरस का है (कथरीन दुखी उठती है।) ऐ आस-मानो वाप हमारी आवाज सुन सिफ तू ही मदद कर सकता है नहीं तो हम मर जाएंगे। हम कमजोर है। हमारे पास ललवार भी नहीं। हम अपनी ताकत पर भरासा नहीं कर सकते सिफ तुम्हारी ताकत पर हम विश्वास है। या खदा। हम तुम्हारे हाथों में हैं। हमारा मवेगी, हमारे खेत और शहर भा हम सब तुम्हारे हाथों में हैं और दुश्मन पूरी ताकत के साथ दीवार तक घा

गया है।

(कथरीन छपचाप गाढी में गयी है, कुछ निकाला है, लिबास के नीचे छुपाया है और सीढ़ी से छत पर चली गयी है।)

वतरे में बच्चों का ध्यान कर। खास तौर पर छोटे बच्चा का। बड़ों का स्याल कर जो हिल भी नहीं सकते। और सभी ईसाई जिं दगियो का या खुदा।

किसान

और हमारी भूलें माफ कर जसा कि हम उनकी भूलें माफ करते हैं जो हमारे खिलाफ हैं। आमीन। (कथरीन एप्रन से ड्रम निकाल कर बजाने लगती है।)

औरत

या खुदा—यह क्या कर रही है ?

किसान

वह पागल हो गयी है।

औरत

उसे जल्दी से नीचे उतारो (किसान सीढ़ी के पास जाता है लेकिन कथरीन उसे ऊपर खींच लेती है।) यह हम मुसीबत में डालेगी।

किसान

बंद करो बेवकूफ अपाहिज !

औरत

सिपाही आ जाएंगे।

किसान

(पत्थर ढड़ते हुए) मैं तुम्हें पत्थर मारूंगा।

औरत

तुम्हें तरस नहीं आता, तुम्हारा दिल नहीं। हमारे भी रिश्तेदार हैं वहाँ, चार पोते हैं लेकिन हम क्या कर सकते हैं अगर अब इन्होंने हम पा लिया तो बस खात्मा समझो। हमें जान से मार देंगे। (कथरीन शहर की तरफ घूर रही है बजाती जा रही है) मैं तुम्हें कहा था इन बदमाशा को फाम में मत आने दो। हमारे जाने से इनका क्या बिगड़ता है।

ले०

(नौजवान, सिपाहियों के साथ भाग कर जाता है।) मैं इसके टुकड़े-टुकड़े कर दूंगा।

औरत

हम बेकसूर है हज़ूर। हम कुछ नहीं कर सकते। उसने किया है एक परदमी है।

ले०

सीढ़ी कहा है ?

किसान

छत पर।

ले०

मैं तुम्हें हुकम देता हूँ ढोल नीचे फेंक दो। (बजाती रहती है।) तुम सभी ऐसे हा लेकिन तुम जिस्से कहन के लिए जिंदा नहीं रहोगे।

- विमान इधर चीड़ के पेड़ काट रहे थे। अगर हम एक लम्बा सा तना ला सक ता इस नीचे गिरा सकते हैं।
- प० सि० इजाजत हो ता मैं कुछ बहू। (ले० के कान में कुछ कहता ह। वह हा का इशारा करता है) ए, सुनो तुम्हारे भले का एव बात है। नीचे जा जाओ और हमारे साथ शहर का चला। अपनी मा दिखा दो, हम उसे छोड़ देंगे। (बजाती रहती ह।)
- ले० (उस घबरेलते हुए) उसे तुम पर यकीन नहीं, हो भी कसे, तुम्हारा मूरत ही ऐसी है। अगी वा मुनों, मैं वायदा करता हू। मैं एक अफसर हू। मेरा वायदा एक दस्तावेज होता है। (कैयरोन ज़ोर से बजात है। कुछ भी उसको प्यारा नहीं ह।)
- नीजवान हज़ूर! यह सिफ मा की वजह से नहीं है।
- प० मि० एमा बंमे चलेगा? शहर वाले ज़रूर मुन लेंगे।
- ले० हम कोई और शोर करना चाहिए जो डोल से ऊचा हो। बसा शोर कर सकते है?
- प० मि० हमें तो शोर नहीं करना चाहिये।
- ले० करना चाहिये बेवकूफ! अमन के जमान वा शार—
- विमान मैं लयची काट सकता हू।
- वे० यह बात हुई न (किसान बुल्हाडी लाता है जोर काटता है।) काटो और जोर से काटो अपनी जिदगी के लिये काटा। (कैयरीन धीरे धीरे बजाती मुन रही थी। इधर-उधर देखती हुई बजाती रहती है।) यह काफी नहीं है। (पहले सिपाही से) तुम नी काटा।
- विमान० मेर पाग एव हो बुल्हाडी है (काटना रोक देता है।)
- वे० फाम वा म ग नगा दो। धुए में भागेगी।
- विमान० मर ठीक नहीं होगा कप्तान माहब। शहर वाले आग दगेंगे तो सब ममक जायेंगे। (कैयरीन मुनती रही ह अब हमेंतो ह।)
- ले० यह हम पर हम रही है। हमारा मजाब उडा रही है अब बर्दान नहीं होता। मैं इसके परगचे उडा दूंगा एक बद्रूफ लाओ। (सिपाही जाते हैं कैयरीन बजाती रहती है।)
- धारत० एक बात सूनी है कप्तान माहब। वह उचकी गाटी है

हम अगर उसको तोड़ देंगे तो यह रुक जायगी वही उनका सब कुछ है।

ले० (नौजवान से) ताड़ दा (कथरीन से) अगर तुम गार बद नहीं करोगा तो हम तुम्हारी गंड़ी ताड़ देंगे। (नौजवान एक तरफ से हल्की हल्की ठोकर मारता है)

श्रीरत्न० (कथरीन से) बद बर बमज्जफ जानवर (कथरीन रुक कर गाड़ी देखती है, दुखी लगती है लेकिन बजाती रहती है।)

ले० वह मुझे के बच्चे कहा मर गय बटूक के माय।
प०सि० गहर वाला, न कुछ नहीं सुना होगा, नहीं तो उनका ताप की आवाज जरूर आता।

ले० वह तुम्ह सुन नहीं रह है और हम तुम्ह गोली में उडा देंगे एक मोका और दता हू डाल न चे फंक दा।
नौजवान (तलता फंक कर कथरीन की तरफ चीखता है) मत रुकना नही तो वह सब मर जायगे बजाती रहा— बजाती रहा—

(एक सिपाही उसे नीचे गिराकर सलाख से पोटता है। कथरीन रौने लगती है लेकिन बजाती रहती है)

श्रीरत्न० पेट म मत मागे। तुम तो उसे जान स मार रह हो। (सिपाही बटूक के साथ आते हैं।)

दू०सि० गुस्से से कनस के मुह से भाग निकल रही है। हमारा कोट माक्षण हागा।

ले० लगाआ जल्दी से लगाओ। (एक सागे पर लगते हैं) आखिरी बार कहता हू बजाना बद कर दा (कथरीन रोती है लेकिन पूरे जोर से बजान लगती है।) फायर (सिपाही गोली चलाते हैं, कथरीन को लगती है, वह डाल को एक दो बार फिर बजाती है और आहिस्ता में गिर पडती है।)

वे० एक शार तो खत्म हुआ।

(आखिरी डोल की चोटें तोप की आवाज के साथ दब जाती हैं। तोप की आवाज के साथ-साथ छतरे की घटियों की आवाज दूर से आती है।)

प० सि० यह जीत गई।

सोन बारह

- (सुम्ह के करीब । फीजा की बापसी की आवाज । सगीत । गाश क सामन मा बथरीन की ताश के पास बैठी है । रात वाले किसान पास खड़े हैं) ।
- किसान तुम्ह अब जाना चाहिए । एक रेजोमट बाकी ह । तुम अकेली कभी नहीं जा सकोगी ।
- मा शायद यह सो गई है । (गानी है) ।
 मोजा नी साजा री मोजा
 माठे मे सपना म खाजा
 रात पडोसी के बच्चे
 जपने हैं हालात अच्छे
 उनके फट चीयरे है
 तरे ता कपडे नए हैं ॥ मोजा री
 भूखा पडामी का बच्चा
 तुमको भिरा खाना अच्छा
 पोलैंड मे एक तो है
 दूजा न जान कहा है ॥ माजा री
- मा तुम्ह उस बच्चो के पार म नहीं बताना चाहिए था ।
 किसान अगर तुम खरीदार क रग्न गहर नहीं गई हाती तो शायद ऐसा नहीं होना ।
- मा वह अब सो गई है ।
 किसान अब ता तुम्ह मालूम होना चाहिये । वह सोई हुई नहा है,
 यह चला गई ह, तुम्ह भी जाना चाहिये दम इनाके मे
 भेडिमे बहुत ह । और ततरगाव डाकू भी ।
- मा ठीक बरत दो । (गाडी से लाग ढापने के लिये कपडा

- लाती ह ।)
- श्रीरत तुम्हारा अब कोई नहीं रहा । कोई—जिसके पास तुम जा सको ।
- मा एक है—मेरा एलफ—
- किसान (भा लाश डक रही ह) उमकी तलाश करा । इसे हमारे पास छाट दा । हम ठीक ढग से डमको दफना देंग । तुम काई फिजर मत करो ।
- मा यह लो, खच बं लिए पमे—(किसान को देती ह ।)
- (किसान और नौजवान उससे हाथ मिलाने हैं और लाश उठाकर चले जाते हैं ।)
- श्रीरत (हाथ पकड कर भुकती ह । जाते हुए) जल्ला वगो ।
- मा (काठी गले मे डालते हुए) मरा ब्याल है मैं अक्लो खीच लूगी । हा खीच सकूगी । अब ज्यादा कुछ रहा भा ता नहीं । मुझे फिर मे काम वधा शुरू करना चाहिय—
- (एक और रेजिमेंट जाने की आवाज) अरे आ । मुझे भी साथ लेत जाआ—
- (सिपाहियों के गाने की आवाज)

४९१३

जग चल रही है बडे जोर स ।

गाना

जग चल रही है बडे जोर स ।

जग चल रही है बडे जोर स ॥

अपनी अपनी किस्मत है ।

खतरा यू तो सबका है ॥

युद्ध ता मौ साल चलता जाणगा

जाम लागो को नहीं है फायदा

खाएंग कचरा पहिनेंग चीथडे

आधी तनटवाह भी ले जाएंग वो छीन के ।

जग चल रही है बडे जोर स ।

जग चल रही है बडे जोर स ॥

आया नया साल बफ है पिघल रही

मृदों के जिस्मो म होने लगी धरधरी

तू है गर जि दा तो खडा हो भाग जा

तू है गर जि दा तो खडा हो भाग जा ॥

(पदा)

